RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-362 | जयपुर, शनिवार, 27 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

डीआरआई ने 15 किलो विदेशी सोना जब्त किया

नई दिल्ली। डीआरआई ने सोने की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। डीआरआई के कई स्थानों पर चलाए अभियानों में 15 किलो विदेशी मूल का सोना जब्त किया, जबकि 15 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। वित्त मंत्रालय ने बताया विदेशी मूल के सोने की तस्करी के खिलाफ डीआरआई ने मुंबई हवाईअड्डे से एक अत्यंत संगठित सोने की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया।

एलपीजी टैंकर टोल से टकराया, धमाके के बाद आग लगी

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक एलपीजी टैंकर बेकाबू होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। टक्कर के बाद तेज धमाका हुआ और टैंकर में आग लग गई। हादसे में टैंकर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसका शव पूरी तरह जल गया और कंकाल का कुछ हिस्सा ही बरामद हो सका। वहीं, पांच टोल कर्मचारी भी झुलस गए। आग बुझने के बाद जब टीम टैंकर के अंदर पहुंची तो चालक की हड्डियां मिलीं। इससे पहले सूचना मिली थी कि चालक टैंकर से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल हो गया है।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद से दिल्ली रवाना

जींद। हरियाणा के जींद रेलवे जंक्शन से हाइड्रोजन ट्रेन को शुक्रवार को हाई-स्पीड ट्रायल के लिए दो डीजल इंजनों के साथ दिल्ली रवाना किया। जींद से दिल्ली तक ट्रेन की गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इसके बाद दिल्ली-सोनीपत रेलखंड पर विभिन्न चरणों में ट्रेन का परीक्षण किया गया। इस दौरान दिल्ली से सोनीपत रूट पर ट्रेन का ट्रायल 85 किमी प्रति घंटा की स्पीड से किया गया। वहीं सोनीपत से दिल्ली जाते समय भी ट्रेन की स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा थी। इसके बाद दिल्ली से सोनीपत जाते समय ट्रेन की स्पीड 100 किमी प्रति घंटा निर्धारित रखी गई।

राम मंदिर दान घोटाला: ट्रस्ट महासचिव चंपत राय का इस्तीफा, ट्रस्टी अनिल मिश्रा नपे

चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत 8 जेल भेजा

अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है।

चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था, तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम

चंपत राय और अनिल की भूमिका की भी जांच जारी

चंपत राय और अनिल मिश्रा की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। विहिप के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी एक बयान में कहा है कि दो ट्रस्टियों पर आरोप हैं। इस तरह दोनों पर काफी दबाव है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस भी अब इनकी भूमिका की जांच कर रही है। क्योंकि टिन्नू चंपत का करीबी था और अनुकल्प व लवलेश, अनिल मिश्रा के रिश्तेदार हैं। इसलिए संलिप्तता को लेकर सवाल हैं। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद गुरुवार देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को बृहस्पतिवार रात लगभग आठ बजे पुलिस ने कस्टडी में लेकर पूछताछ की और रात भर चली पूछताछ के आधार पर 79.85 लाख रुपये बरामद किए। शुक्रवार दोपहर आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के बाद शाम लगभग 4.00 बजे कचहरी ले जाया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, दान राशि की गणना प्रक्रिया में बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जांच में उनकी संभावित संलिप्तता की भी पड़ताल की जा रही है। इसी आधार पर मुकदमे में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

पुलिस उनके बयानों और उपलब्ध साक्ष्यों का मिलान कर रही है। वहीं, केस की विवेचना सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी को दी गई है। विवेचक सोमवार को आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी दे सकते हैं। रिमांड पर आरोपियों को लेकर पुलिस पूछताछ करेगी, जिससे और खुलासा होने की संभावना है। कई और नाम उजागर हो सकते हैं।

राम मंदिर के दान चोरी पर भड़के ट्रस्ट के सदस्य

अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले डोनेशन में कथित हेराफेरी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा 'गंभीर अपराध' नहीं होना चाहिए था। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो दोषियों को कानून के मुताबिक उचित सजा मिलनी चाहिए।

उडुपी के अष्ट (आठ) मठों में से एक पेजावर अधोक्षज मठ के प्रमुख स्वामी ने कहा कि पूरे मामले के तथ्य सामने आने चाहिए। ट्रस्ट का सदस्य होने के नाते वह अभी केवल दूसरी बातों के आधार पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। 11 जुलाई को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में शामिल होने के बाद ही पूरे मामले की जानकारी लेकर विस्तार से अपनी बात रखेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

सुरेंद्र मोगा का नाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के 'रोल ऑफ ऑनर' में शामिल

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के 'रोल ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया है।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3छ वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। नेशनल वॉर मेमोरियल के त्याग चक्र में 16 गोल ग्रेनाइट की दीवारें हैं, जिन पर आजादी के बाद से देश के लिए अपनी जान देने वाले हर सैनिक का नाम, रैंक और यूनिट लिखी हैं।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के मेहरादासी गांव के वीर सपूत और भारतीय वायु सेना के सार्जेंट सुरेंद्र मोगा को ऑपरेशन सिंदूर में दिए गए सर्वोच्च बलिदान के लिए आधिकारिक राष्ट्रीय सम्मान मिल गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए छह जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक रूप से सार्वजनिक किए हैं, जिनमें सार्जेंट सुरेंद्र मोगा का नाम भी शामिल है।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की वेबसाइट पर जारी 'रोल ऑफ ऑनर' में सार्जेंट सुरेंद्र मोगा का नाम दर्ज किया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की त्रि-आयामी दीवार पर वर्ष 2025 के खंड में भी उनका नाम अंकित कर दिया गया है।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के 'त्याग चक्र' में स्थापित 16 गोलाकार ग्रेनाइट दीवारों पर स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के नाम, रैंक और यूनिट अंकित हैं। अब इस गौरवशाली सूची में सार्जेंट सुरेंद्र मोगा का नाम भी स्थायी रूप से जुड़ गया है। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह स्वयं मेहरादासी गांव पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित यात्रा

मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में रिफाइनरी के उद्घाटन की तैयारियों को लेकर दिए निर्देश

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी 4 जुलाई को प्रस्तावित राजस्थान यात्रा एवं पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं सभी तैयारियां समयबद्ध पूर्ण करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सबसे बड़े प्रोजेक्ट एवं भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी

कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की शुरुआत होना गर्व का क्षण है। ऐसे में इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सभा स्थल पर पार्किंग, पेयजल, बैठक व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर प्रधानमंत्री का कार्यक्रम लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही है, वहां आमजन के लिए छाया, पानी, चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। इसके साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़ने वाली सभी ग्राम पंचायतों, नगरपालिकाओं और जिलों में तकनीकी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं।

बैठक में अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रजेंटेशन दिया गया।

रामगढ़ में ट्रक-पिकअप में टक्कर, 8 की मौत

रामगढ़ (झारखंड)

झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ।

कोयला लदे एक ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े थे, उनके सामान बैंड-बाजे सड़क पर बिखर गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला। घटनास्थल पर सात लोगों

की मौत हुई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रांची रेफर किया गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतक सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े हैं। जानकारी के अनुसार, पिकअप में 8 लोग सवार थे, जो रामगढ़ से मारगामरचा आए थे। यहां से उन्हें फिर बलसगरा जाना था और अपने कुछ अन्य साथियों को लेकर बिहार में एक कार्यक्रम शामिल होना था।

इसी दौरान, सामने से आ रहे तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही 7 लोगों की मौत हो गई। एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

रात में अचानक जोरदार आवाज आई। पीछे मुड़कर देखा तो ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मारी थी। सवारी गाड़ी में बैठे ताशा पार्टी के सदस्य बुरी तरह से घायल थे। कुछ लहुलूहान हालत में पानी मांग रहे थे। आठ लोग गाड़ी में बुरी तरह से फंसे हुए थे। एक के ऊपर एक लोग चढ़ गए थे। उनके बैंड-ड्रम सड़क पर बिखर गए थे।

इसके बाद स्थानीय ग्रामीण भी भागते हुए मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने ही पुलिस को घटना की सूचना दी। सभी के सहयोग से बारी-बारी से बॉडी को बाहर निकाला गया। तब तक पुलिस भी पहुंच गई। पहले तो ग्रामीणों ने लाश को वहां से उठने नहीं दिया, हंगामा करने लगे फिर प्रशासन के समझाने पर बाद डेड बॉडी उठाई गई।

वेनेजुएला भूकंप में अब तक 235 की मौत

4300 से ज्यादा घायल, सरकार बोली- 39,000 लोग लापता

कराकस, वेनेजुएला

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक

मलबे के अंदर से आवाजें आ रहीं हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है।

प्री-मानसून से प्रदेश में तेज बारिश, सड़कें डूबीं

जयपुर

राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश का दौर जारी है। श्रीगंगानगर में शुक्रवार दोपहर 2 बजे तेज हवा के साथ बारिश हुई। इससे पहले, गुरुवार को जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर संभाग के कुछ एरिया में आंधी चली, फिर बारिश हुई। जयपुर में गुरुवार को एक घंटे में 2 इंच बरसात हुई। इससे सड़कें लबालब हो गईं।

कोलकाता में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। दोपहर में करीब एक घंटे की बारिश से शहर की मुख्य सड़कों पर एक फीट तक पानी भर गया।

कोलकाता के SSKM अस्पताल के अंदर तक पानी घुस गया। इससे मरीज और उनकी देखभाल करने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई।

बारिश से हादसों की आशंका को देखते हुए मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 पर्यटन स्थलों में 22 अगस्त तक एंट्री बंद कर दी गई है। राज्य के शाजापुर में गुरुवार को बिजली गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 2 से 4 दिनों में मानसून पूरे राज्य को कवर कर सकता है।

केतन हत्याकांड: हकलाने-हेयरविग की वजह से सिया को केतन पसंद नहीं था

पुणे। पुणे में केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि केतन अग्रवाल हेयर विग लगाता था। सिया गोयल को यह पसंद नहीं था। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने कहा, 'सिया और उसके परिवार को पता था कि केतन विग का एक पैच लगाता था। उसे पसंद नहीं था तो वह मना कर सकती थी, क्या यह किसी को मारने की वजह हो सकती है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 'सिया इस शादी से खुश नहीं थी। केतन के विग लगाने और हकलाने की वजह से सिया के मन में उसके प्रति नफरत बैठ चुकी थी।' सिया ने बताया कि उसने केतन से कहा था कि वह उससे शादी करना नहीं चाहती, लेकिन वह सगाई तोड़ने को तैयार नहीं था। केतन का कहना था कि अब बहुत देर हो चुकी है।

सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई।

वहीं महाराष्ट्र सरकार ने अग्रवाल परिवार की फास्ट-ट्रैक कोर्ट ट्रायल की मांग मान ली है, जिसमें जाने-माने वकील उज्ज्वल निकम स्पेशल प्रॉसिक्यूटर होंगे।

राजस्थान में सफाई व्यवस्था ठप: सफाई कर्मी सामूहिक अवकाश पर

जयपुर

राजस्थान में सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज हो गया है। सफाई कर्मियों की भर्ती समेत कई मांगों को लेकर राजस्थान के सफाई कर्मचारियों ने शनिवार से सामूहिक अवकाश पर जाने और सफाई व्यवस्था ठप करने का ऐलान किया है। आंदोलन के तहत जयपुर समेत प्रदेश के सभी नगर निकायों में कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे। सफाई कर्मचारी संगठनों और संघर्ष समिति ने शुक्रवार को हुई आमसभा में यह फैसला लिया। इसके तहत सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगरपालिकाओं के वार्डों में कर्मचारी अपनी-अपनी हाजरी गाहों(उपस्थिति केंद्रों) पर एकत्र होकर प्रदर्शन करेंगे।

कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों पर सरकार की ओर से ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिसके विरोध में यह प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जा रहा है। इससे कई शहरों में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है।

प्रदेशभर में सफाई कार्य बंद कर जताया जाएगा विरोध

संघर्ष समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि भर्ती से जुड़ी मांगों पर सरकार की ओर से कोई सकारात्मक फैसला नहीं होने के कारण आंदोलन को अगले चरण में ले जाने का फैसला किया गया है। पिछले कई दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन और भूख हड़ताल करने के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ठोस फैसला नहीं लिया। ऐसे में अब प्रदेशभर में सफाई कार्य बंद कर विरोध जताया जाएगा।

संघर्ष समिति के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजे समिति के सदस्य जयपुर की छोटी चौपड़ पर एकत्र होंगे। इसके बाद विभिन्न वार्डों में जाकर कर्मचारियों से आंदोलन में शामिल होने की अपील करेंगे। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने वाले हूपर चालकों, हेल्परों और सेकेंडरी कलेक्शन से जुड़े कर्मचारियों से भी हड़ताल का समर्थन करने का आग्रह किया गया है।

सफाई कर्मचारियों से एकजुट रहने की अपील

नंदकिशोर ने इसे कर्मचारियों के भविष्य की लड़ाई बताते हुए सभी सफाई कर्मचारियों से एकजुट रहने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि इस बार मांगें नहीं मानी गई तो भविष्य में सफाई कर्मचारियों के अधिकार और रोजगार पर असर पड़ेगा।

इधर, वाल्मीकि समाज की ओर से भी प्रदेशभर के समाज के लोगों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों से आंदोलन के समर्थन की सार्वजनिक अपील जारी की गई है। अपील में कहा गया है कि समाज की आर्थिक स्थिति और बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुए सभी लोग इस राज्यव्यापी आंदोलन में सहयोग करें।

सफाई कर्मचारी संगठनों की प्रमुख मांगों में भर्ती में परंपरागत सफाई कार्य से जुड़े लोगों को प्राथमिकता देना, पूर्व भर्ती से जुड़े न्यायालयीन मामलों के पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देना, वर्तमान में सफाई कार्य कर रहे कर्मचारियों को प्राथमिकता देना, भर्ती को यूनियन के साथ हुए समझौते के अनुसार पूरा करना, ठेका प्रथा समाप्त कर आउटसोर्सिंग बंद करना तथा निकाय कोष से भुगतान सुनिश्चित करना शामिल है।

3 महीने का बेटा लेकर मीटिंग में पहुंचीं मिनिस्टर

स्वीडन की मंत्री ने बच्चे को गोद में लेकर स्पीच दी, कहा- मां बनने से करियर नहीं रुकता

स्वीडन

स्वीडन की जलवायु मंत्री रोमिना पोरमोख्तारी अपने तीन महीने के बेटे एडम को लेकर यूरोपीय संघ (EU) के जलवायु मंत्रियों की बैठक में पहुंचीं। लक्जमबर्ग में गुरुवार को हुई इस बैठक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में रोमिना अपने बेटे को गोद में लेकर मीटिंग में हिस्सा लेती और भाषण देती नजर आ रही हैं। इस दौरान वह बच्चे को शांत भी कराती रहीं, लेकिन साथ ही बैठक में अपनी बात भी रखती रहीं। इसके बाद पोरमोख्तारी ने रॉयटर्स से बातचीत में कहा, मैंने जानबूझकर

ऐसा किया, ताकि यह मैसेज दिया जा सके कि महिलाओं को करियर और परिवार में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। मां बनने का मतलब यह नहीं है कि किसी महिला का करियर रुक जाए। EU काउंसिल के एक अधिकारी के मुताबिक, उनकी जानकारी में पहली बार किसी श्र मंत्रियों की बैठक में एक बच्चा शामिल हुआ है।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने स्वीडन की मंत्री के इस कदम की तारीफ की है। लोगों ने इसे कामकाजी महिलाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बागियों की सांसदी पर जल्द लेंगे फैसला

दो-तिहाई बहुमत का नियम अहम

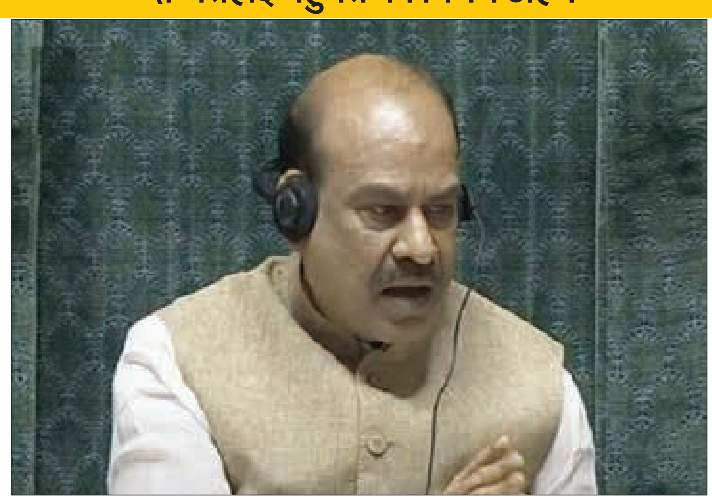

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जल्द ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों के दल-बदल मामले में अपना महत्वपूर्ण फैसला सुना सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र से पहले स्पीकर इस पर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, जिसका भारतीय राजनीति पर गहरा असर पड़ सकता है। स्पीकर ने दोनों मूल पार्टियों और उनके बागी गुटों के प्रतिनिधिमंडलों से पहले ही मुलाकात कर ली है ताकि सभी पक्षों को सुना जा सके। संसद से जुड़े कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञ इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि लिया गया निर्णय कानूनी रूप से पूरी तरह सही हो, दल-बदल विरोधी कानून से जुड़े पुराने मामलों और मिसालों की भी गहन समीक्षा की जा रही है।

टीएमसी के मामले में, पार्टी ने 2024 के आम चुनाव में लोकसभा की 29 सीटें जीती थीं, जिनमें से एक सांसद के निधन के बाद फिलहाल एक सीट खाली है। पार्टी के 20 सांसदों ने बगावत करते हुए पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित एक रजिस्टर्ड लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) का दामन थाम लिया है। इन बागियों ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। इसके साथ ही इन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन जताते हुए एनडीए में शामिल होने की इच्छा भी जाहिर की है। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के बागी गुट के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा है। बनर्जी ने इन 20 बागियों को अयोग्य ठहराने के लिए स्पीकर को अलग-अलग याचिकाएं भी सौंपी हैं, जिसमें दल-बदल विरोधी कानून के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के मामले में भी ऐसी ही स्थिति है। शिवसेना (यूबीटी) के टिकट पर 9 सांसद चुने गए थे, जिनमें से 6 सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई और अरविंद सावंत ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और संविधान के प्रावधानों को बनाए रखने की अपील की। उद्धव गुट के नेताओं ने स्पीकर से शिंदे गुट में शामिल होने वाले 6 बागी सांसदों द्वारा दिए गए किसी भी लिखित ज्ञापन की कॉपी मांगी। इस पर स्पीकर ने उन्हें बताया कि बागी सांसदों की तरफ से अभी तक उन्हें लिखित में कुछ भी नहीं मिला है। टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) दोनों ने स्पीकर से दल-बदल विरोधी कानून के तहत अपने बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। दोनों पार्टियों का तर्क है कि दल-बदल कानून के तहत अयोग्यता से संरक्षण केवल तभी मिलता है, जब पूरी राजनीतिक पार्टी के कम से कम दो-तिहाई हिस्से का किसी दूसरी पार्टी में विलय हो, न कि केवल विधायकों या सांसदों के एक समूह का। अभिषेक बनर्जी ने स्पष्ट किया कि केवल विधायकों या सांसदों के एक समूह के विलय को कानूनी रूप से मान्यता नहीं दी जा सकती। वहीं अनिल देसाई ने भी जोर देकर कहा कि 10वीं अनुसूची बिल्कुल स्पष्ट है कि किसी भी विधायक दल का कोई समूह अपने आप किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकता, भले ही उनके पास दो-तिहाई बहुमत ही क्यों ना हो। लोकसभा सचिवालय आगामी मॉनसून सत्र के लिए सांसदों के बैठने की नई व्यवस्थाओं का आकलन कर रहा है। टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के बागी गुटों के अलावा, डीएमके ने भी संसद में कांग्रेस से अलग बैठने की मांग की है। दरअसल, डीएमके ने कांग्रेस के साथ अपना पुराना गठबंधन खत्म कर लिया है और अब मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन कर लिया है। यह स्थिति संसद के भीतर राजनीतिक समीकरणों और बैठने की व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है।

वेनेजुएला भूकंप : पीएम मोदी ने दुख जताया, कहा- हर संभव मदद करेंगे

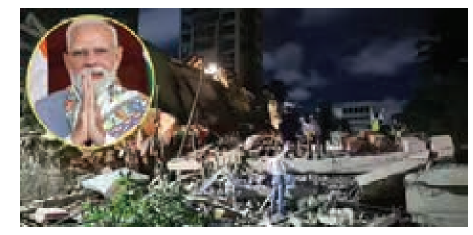

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला के उत्तरी तट पर गुरुवार को आए भीषण भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई, जिसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए भारत की ओर से हरसंभव मदद का ऐलान किया है। 7.5 तीव्रता के इस शक्तिशाली भूकंप ने राजधानी कराकास में दहशत फैला दी, जहां कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ ढह गईं। भूकंप के झटके इतने तीव्र थे कि लोग अपने घरों और दफ्तरों से निकलकर सड़कों पर आ गए, अपने परिवारों और पालतू जानवरों को बचाने का प्रयास करते हुए देखा गया। घटना के बाद सामने आए वीडियो में इमारतों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त दिखाया गया, जिनमें से कई झुक गईं, जिससे उनके भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी वेनेजुएला के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए मदद का ऐलान किया है, और देश को नया दोस्त बताया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, मुख्य भूकंप की तीव्रता 7.5 मापी गई, जबकि इससे ठीक 40 सेकंड पहले 7.2 तीव्रता का एक फोरशॉक भी महसूस किया गया था। भूकंप का केंद्र मोंटालबान से लगभग 28 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था, जो वेनेजुएला की कई महत्वपूर्ण तेल रिफाइनरियों के निकट है। शुरुआत में अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने प्यूर्टो रिको और वर्जिन आइलैंड्स सहित आसपास के इलाकों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया था, लेकिन बाद में स्थिति की समीक्षा के बाद इस चेतावनी को वापस ले लिया गया, जिससे सुनामी का खतरा टल गया। सोशल मीडिया पर कराकास की इमारतों के ढहने और दीवारों के टूटने के दृश्य सामने आए, जिससे कई इलाकों में धूल का गुबार छा गया। हालांकि अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है, बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

यमुना बाजार में चला बुलडोजर, सैकड़ों परिवार हुए बेघर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार सुबह से ही दिल्ली नगर निगम ने तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है, जिसके चलते सैकड़ों परिवार बेघर होने को मजबूर हो गए हैं। निगम बोध घाट के पास अनधिकृत निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इस इलाके में रहने वाले पीड़ितों ने बताया कि यहां लगभग 310 मकान हैं, जिनमें तकरीबन 1100 लोग रहते हैं। इनमें से अधिकांश मकान पक्के हैं, जिन्हें अब ढहाया जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को ही बताया था कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने कश्मीरी गेट इलाके के यमुना बाजार में रहने वाले लोगों को घर खाली करने का नया नोटिस जारी किया था। नोटिस में इलाके के घाट नंबर 2 से 32 के बीच रहने वाले लोगों से कहा गया था कि वे अपनी मर्जी से जगह खाली कर दें, अन्यथा तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के बाद कई परिवार पहले ही अपने घरों को खाली कर यहां से जा चुके हैं, जबकि अब भी कई लोग वहीं रह रहे हैं, कार्रवाई को लेकर उनमें भय का माहौल देखने को मिला। घरों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। यहां रहने वाले लोगों का आरोप है कि उनके पानी के कनेक्शन पहले ही काट दिए गए थे, और उन्हें बुधवार रात तक घर खाली करने को कहा गया था। ऐसे में कुछ लोगों ने अपना सामान हटा लिया है, लेकिन कई परिवार अभी भी अपनी जगह पर डटे हुए हैं। स्थानीय निवासी गणेश ने बताया कि यहां से हटाए जाने वाले लोगों के लिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के अस्थायी आश्रयों में रहने का विकल्प दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया, यह कहां का न्याय है? हमारे घर उजाड़कर नाइट शेल्टर में रहने को मजबूर किया जा रहा है। यमुना घाट पंडा एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि वे इस मामले में कोर्ट का रुख कर चुके हैं, और ध्वस्तीकरण के लिए कोर्ट का कोई आदेश नहीं है, फिर भी उन्हें हटाया जा रहा है।

कर्नाटक में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी, एमडीएमए और गांजे समेत पांच गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया। पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की और गैर-कानूनी रूप से बेचे जा रहे एमडीएमए और गांजे को जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया है। जानकारी के मुताबिक शिवमोग्गा पुलिस ने रागीगुड्डा चैनल अर्दन रोड के पास छापा मारा और अजहर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से करीब 15 ग्राम एमडीएमए नशीला पदार्थ, एक मोबाइल और नकदी जब्त की। जब्त किए गए एमडीएमए और गांजे की कुल कीमत करीब 1.50 लाख रुपए है। आनंदापुरा पुलिस स्टेशन ने सागर-आनंदापुरा रोड पर एक ऑपरेशन चलाया और मुज्जू और हफीजुल्ला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 95 ग्राम गांजा और एक बाइक बरामद की। इसी तरह सागर टाउन पुलिस ने अरालिकोप्पा लेआउट क्रॉस के पास छापा मारकर अल्ताफ और अकबर को गिरफ्तार किया। इनके पास से करीब 330 ग्राम गांजा और 4 लाख कीमत की एक कार जब्त की। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले अप्रैल में बेंगलुरु सिटी पुलिस ने शहर में चलाए गए कई समन्वित अभियानों में 16 लोगों को गिरफ्तार किया था और करीब 36.67 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चार विदेशी नागरिक, आठ अन्य राज्यों से आए व्यक्ति और चार स्थानीय लोग शामिल थे।

मोहर्रम के मौके पर मुस्लिमों ने लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ के अलीगंज कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड का दर्द कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस हादसे में 15 लोगों की जिंदगियां खत्म हो गईं। बुधवार को मोहर्रम के मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अग्निकांड के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर मृतकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की नेता सुमैया राणा भी मौजूद रहीं। बुधवार को मुहर्रम के मौके पर लखनऊ में मुस्लिम समाज के लोगों ने अलीगंज अग्निकांड में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में बड़ी सख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल हुए। ये सभी लोग हाथों में मोमबत्तियां लेकर पहुंचे थे, जहां उन्होंने मृतकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर हादसे में जान गंवाने वालों को याद किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में काफी भावुक माहौल देखने को मिला। इस कार्यक्रम में सपा नेता सुमैया राणा ने भी हिस्सा लिया. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं जताई और फूल अर्पित किए। लोगों ने सरकार से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की और कहा कि सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाए ताकि फिर से ऐसी कोई दर्दनाक घटना न हो सके। इसके साथ ही उन्होंने इस हादसे के ज़िम्मेदार लोगों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बता दें 22 जून को लखनऊ के अलीगंज में एक कोचिंग सेंटर में अचानक आग लग गई थी जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद बिल्डिंग को लेकर कई नियमों के उल्लंघन और लापरवाही की बात सामने आई थी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दो विमान आमने-सामने आए, बड़ा हादसा टला

अहमदाबाद(एजेंसी)। अहमदाबाद हवाई अड्डे परन 'पार्किंग बे' की ओर जाते समय एअर इंडिया का एक विमान गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे वह इंडिगो के एक विमान के सामने आ गया। हालांकि दोनों विमान एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी पर रुक गए। सूत्रों ने बताया कि मुंबई जा रहा इंडिगो का विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एअर इंडिया का विमान गलत दिशा में मुड़ गया और वह उसी टैक्सीवे पर आ गया, जिस पर इंडिगो का विमान खड़ा था। सूत्रों के मुताबिक टैक्सीवे पर दोनों विमान समय रहते एक-दूसरे से करीब 200 मीटर की सुरक्षित दूरी पर रुक गए। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि हमें उस घटना की जानकारी है, जिसमें 24 जून को मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली हमारी एआई 2493 उड़ान लैंडिंग के बाद 'पार्किंग बे' की तरफ जाते समय अनजाने में गलत रास्ते पर मुड़ गई थी। विमानन कंपनी ने कहा कि विमान में सवार यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। उसने बताया कि बाद में विमान को सुरक्षित रूप से 'पार्किंग बे' में ले जाया गया। एअर इंडिया ने कहा कि नियामक प्राधिकरण को मामले की जानकारी दे दी गई है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

अब बिना रजिस्ट्रेशन कुत्ता रखना व नियमों के उल्लंघन पर लगेगा भारी जुर्माना

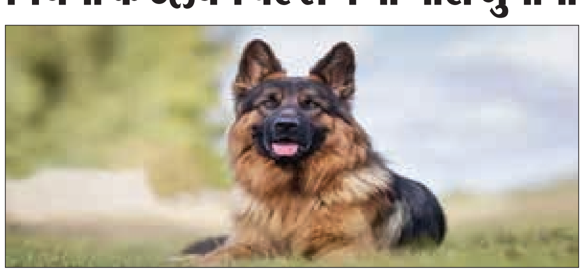

-कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं के चलते गुरुग्राम नगर निगम एक्शन में

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए नगर निगम ने बड़ा और सख्त फैसला लिया है। अब यहां बिना रजिस्ट्रेशन कुत्ता रखने वालों पर प्रशासन सख्त एक्शन लेगा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने पालतू कुत्तों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन और नियंत्रण को लेकर आदेश जारी किए हैं। अब बिना रजिस्ट्रेशन के कुत्ता रखना नियमों का उल्लंघन होगा और इसके लिए भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पालतू कुत्तों के मालिक नगर निगम के ऑनलाइन पोर्टल या नागरिक सुविधा केंद्रों पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ मालिक का आईडी प्रूफ, कुत्ते की फोटो और सबसे जरूरी रेबीज वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट जमा करना होगा। सिर्फ एक बार रजिस्ट्रेशन कराना काफी नहीं होगा, समय-समय पर इसे रिन्यू-अपडेट भी कराना होगा। नगर निगम ने निर्देश दिया है कि शौक अपनी जगह है, लेकिन जनता की सुरक्षा सबसे पहले है। इसके लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की गई हैं। सड़कों, पार्कों, ग्रीन बेल्ट या बाजारों में कुत्ते को खुला नहीं छोड़ा जा सकेगा। घर से बाहर निकलते ही पट्टा बांधना जरूरी होगा। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कुत्ते के मल-मूत्र को साफ करने की पूरी जिम्मेदारी मालिक की होगी। रेबीज समेत सभी जरूरी टीके समय पर लगवाने होंगे। वहीं, अगर आपका कुत्ता किसी को नुकसान पहुंचाता है या हमला करता है, तो पूरी कानूनी जिम्मेदारी मालिक की होगी। ?भारत सरकार की ओर से बताए गए खतरनाक और आक्रामक नस्लों- जैसे पिटबुल टेरियर, रॉटवीलर, डोगो अर्जेंटीनो, केन कोर्सो, अकिता और मास्टिफ के लिए निगम ने और भी सख्त रुख अपनाया है। इन ब्रीड्स के कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों पर ले जाते समय गले में पट्टे के साथ-साथ मुंह पर सुरक्षा कवर लगाना अनिवार्य किया गया है।

उद्धव ने बैठक में पूछा क्या हम सच में एकजुट हैं?

-ठाकरे ने नेताओं को दिया एकजुटता का मंत्र

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को मजबूत करने की कोशिशों में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसी कड़ी में उन्होंने महाअघाड़ी से जुड़े विधायकों और नेताओं के साथ सीधी समीक्षा बैठकें आयोजित की हैं, जिसका उद्देश्य गठबंधन के भीतर एकजुटता को बढ़ावा देना है। हाल ही में आयोजित महाविकास अघाड़ी की एक महत्वपूर्ण बैठक में, उद्धव ठाकरे ने उपस्थित विधायकों और नेताओं से कुछ तीखे और विचारोत्तेजक सवाल पूछे, साथ ही राज्य की वर्तमान स्थितियों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब शिवसेना (यूबीटी) ने हाल ही में अपने कुछ सांसदों की बगावत देखी है, जिससे गठबंधन के भीतर एकजुटता की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

एमवीए की इस बैठक में उद्धव ठाकरे ने बेहद सीधे शब्दों में कहा, हम कहते हैं कि हम महाविकास अघाड़ी के रूप में एकजुट हैं, लेकिन क्या सच में हम एक हैं? अगर हां, तो आज से हमें एक साथ काम करना होगा और एकजुट रहना होगा। उनका यह सवाल गठबंधन के भीतर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता को दर्शाता है और नेताओं को वास्तविक एकजुटता के लिए प्रेरित करता है। इस बैठक में गठबंधन के सभी शीर्ष नेताओं ने विधायकों और एमएलसी को एकजुट रहने का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने यह भी जोर दिया कि आम जनमानस से जुड़े मुद्दों को न केवल विधानसभा के भीतर, बल्कि इसके बाहर भी प्रभावी ढंग से उठाना चाहिए। नेताओं ने स्वीकार किया कि उन्हें यह कठिन युद्ध साथ रहकर लड़ना है और इसलिए आपसी समन्वय और सहयोग अत्यंत आवश्यक है। बैठक में यह भी कहा गया कि जो सांसद या नेता गठबंधन को छोड़ चुके हैं, अब उनके बारे में सोचने की कोई जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एमवीए के नेतृत्व को इसी तरह अक्सर मिलना चाहिए और विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करना चाहिए ताकि भविष्य की रणनीतियां तैयार की जा सकें। इस बात पर भी विशेष बल दिया गया कि विधानसभा के अंदर ही नहीं, बल्कि इसके बाहर भी महाविकास अघाड़ी के विधायकों और एमएलसी को अच्छे समन्वय के साथ काम करना चाहिए और एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह निर्देश दर्शाता है कि गठबंधन केवल सदन की चार दीवारी तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि जमीनी स्तर पर भी अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहता है। बता दें कि इस महत्वपूर्ण बैठक में एमवीए में शामिल 60 विधायक और 36 एमएलसी मौजूद थे, जो गठबंधन की व्यापक उपस्थिति को दर्शाता है। महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र विधानसभा का प्रमुख विपक्षी गठबंधन है, जिसमें शिवसेना (यूबीटी) के साथ-साथ कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) जैसी प्रमुख पार्टियां शामिल हैं। इस दौरान, एमवीए नेतृत्व ने राज्य की वर्तमान स्थिति को लेकर भी विस्तार से चर्चा की और संगठनात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने पर जोर दिया, ताकि जनता से जुड़ाव बढ़ाया जा सके। यह बात उल्लेखनीय है कि हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी थी और पार्टी छोड़ दी थी। इन सांसदों में संजय जाधव, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टिकर, ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय दीना पाटिल शामिल थे। इन बगावतों ने निश्चित रूप से उद्धव ठाकरे के लिए चिंताएं बढ़ाई हैं और यही कारण है कि वे गठबंधन को मजबूत करने और एकजुटता का संदेश देने पर इतना जोर दे रहे हैं।

सरकारी अस्पताल में जन्मे शिशुओं को मिलेगी 1 ग्राम सोने की अंगूठी, 420 किलो सोना हर साल बंटेगा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने प्रमुख चुनावी वादा पूरा करते हुए सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को 1 ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू कर दी है। राज्य सरकार का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव को बढ़ावा देना है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र नवजात को जन्म के बाद 1 ग्राम सोने की अंगूठी प्रदान की जाएगी। अनुमान है, इस योजना के लिए हर वर्ष लगभग 420 किलोग्राम तमिलनाडु सरकार वितरित करेगी। सरकार ने इसके लिए विशेष बजटीय प्रावधान किए हैं। राज्य सरकार का कहना है, यह पहल गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सहायक साबित होगी। सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी। योजना की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य विभाग को इसके क्रियान्वयन और वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार को उम्मीद है, इससे मातृ एवं शिशु कल्याण कार्यक्रमों को भी नई मजबूती मिलेगी।

गलतफहमी हुई...बयान शिवराज सिंह या कार्तिकेय चौहान के बारे में नहीं था

-मानहानि मामले में राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में आवेदन देकर किया खेद व्यक्त

जबलपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आठ साल पुराने मानहानि मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह पर बयान देने के लिए खेद व्यक्त किया है। राहुल की तरफ से इस संबंध में कोर्ट में लिखित रूप से आवेदन दिया गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से पेश वकील ने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें राहुल गांधी अपने बयान पर खेद जताया है। उनहोंने कहा कि यह बयान गलतफहमी में दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस आवेदन पर कार्तिकेय से जवाब मांगा है और कहा है कि उनकी तरफ से लिखित प्रतिक्रिया कोर्ट में पेश की जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में पहले से चल रहा है, जहां राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज है। कोर्ट ने इस मामले में पहले ही समन भी जारी कर दिया था। यह मुकदमा शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान ने दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने 2018 के चुनावी भाषण में पनामा पेपर्स लीक से जुड़े बयान में उनका नाम लिया था। इसी बयान को लेकर यह मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। अब इस मामले पर अगली सुनवाई फिर से होगी।

राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस बयान के आधार पर मानहानि का मामला दर्ज किया गया है, वह मध्य प्रदेश के तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान या उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के बारे में नहीं था। उन्होंने कहा कि इस बयान को लेकर गलत समझ पैदा हुई है और इसे शिकायतकर्ता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह मामला साल 2018 के विधानसभा चुनाव प्रचार का है, जब राहुल गांधी ने झाबुआ में एक जनसभा को संबोधित किया था। कार्तिकेय का आरोप है कि उस भाषण में राहुल गांधी ने पनामा पेपर्स का जिक्र करते हुए ऐसा बयान दिया था, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। इस आरोप के आधार पर भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया गया था और कोर्ट ने समन जारी किया था।

भारतीय विमान के पाकिस्तान सीमा पार करने पर जांच तेज

-नई दिल्ली से उड़ा था विमान रास्ता भटक अमृतसर की जगह पहुंचा पाकिस्तान

-पाक एयर ट्रैफिक कंट्रोल की चेतावनी के बाद लौटा था, पायलट पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खराब रिश्तों की वजह से आमतौर पर दोनों देशों ने विमानों के लिए हवाई क्षेत्र के दरवाजे बंद हैं, सोमवार रात दिल्ली से अमृतसर के लिए निकला एयर इंडिया का विमान एआई-321 अपने रास्ते से भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंच गया। इसके बाद पाकिस्तान के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने इसे चेतावनी देकर वापस लौटने को कहा। इस मामले की जांच तेज हो गई है और संभावना जताई जा रही है कि पायलट पर एक्शन लिया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर इंडिया का विमान ने सोमवार को रात नई दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन रास्ता भटककर यह पाकिस्तान पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक पायलट को पाकिस्तान पहुंचने की जानकारी तब मिली, जब कंट्रोल सिस्टम पर पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी आई। इसके बाद स्थानीय एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को दिल्ली लौटने का निर्देश दिया। इसके बाद विमान दिल्ली लौट आया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक विमान में उड़ाने के दौरान नेवीगेशन सिस्टम में खराबी आ गई थी। इसलिए यह रास्ता भटक गया। एयरपोर्ट अधिकारी के मुताबिक विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में करीब डेढ़ मील तक अंदर चला गया था। उन्होंने इसे छोटी घटना बताते हुए कहा कि यह असामान्य नहीं है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान से वापस आते समय विमान को अमृतसर में ही क्यों नहीं रोका? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वापस आते समय विमान स्टेबलाइज नहीं हो सका था इसलिए इसे वापस भेज दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पायलट को भारतीय सीमा के भीतर ही प्वाइंट पर चक्कर लगाने के लिए कहा गया था, लेकिन पायलट ने विमान को लगातार आगे बढ़ाना जारी रखा और फिर बाईं ओर मुड़ गया। इसकी वजह से वह पाकिस्तान पहुंच गया। इस घटना के सामने आने के बाद एयरलाइंस ने जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही पायलट को भी ड्यूटी रोस्टर से हटा दिया गया है। बता दें, भारत और पाकिस्तान के बीच असामान्य रिश्तों की वजह से दोनों देशों के बीच में हवाई संपर्क नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर पाबंदी है, जिसकी वजह से दोनों देशों के विमानों को लंबा रास्ता तय करके जाना पड़ता है।

25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। इमरजेंसी की 51वीं सालगिरह पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे देश के लिए काला अध्याय बताया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को चोट पहुंचाई गई और लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वालों को यातनाएं सहनी पड़ीं। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इमरजेंसी को याद किया। उन्होंने लिखा- 25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब आपातकाल थोप कर देश की संवैधानिक आत्मा को कुचलने की कोशिश की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ता के अहंकार में कांग्रेस द्वारा थोपे गए आपातकाल के अंधकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व नागरिक अधिकारों को गहरी चोट पहुंचाई। उस कठिन दौर में कठोर यातनाएं सहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटिशः नमन।

वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पोस्ट मरें लिखा- भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून, 1975 वह काला दिन है, जब पीएम इंदिरा गांधी ने 'सत्ता के अहंकार' में चूर होकर देश पर आपातकाल थोपा था। इसके जरिए उन्होंने संविधान को अपने शिकंजे में कसकर जनता के मूलभूत अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर जमकर प्रहार किया। उन्हें गहरी चोट पहुंचाई। 'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है, जब असहमति की आवाज़ों को कुचला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरा बिठाया गया और लोकतंत्र सेनानियों को बेरहमी से जेलों की सलाख़ों के पीछे डाल दिया गया।

यह आपातकाल कांग्रेस की 'तानाशाही मानसिकता' का नतीजा था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए तब की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अडिग रहकर संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का साहस, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस काले दौर का डटकर मुकाबला करने वाले उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को बारंबार कोटि-कोटि नमन!

डिजिटल प्रहरी प्रशिक्षण: 'लोन के लालच में फर्जी ऐप की एपीके फाइल की तो पूरा मोबाइल हो जाएगा हैक', साइबर पुलिस की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/भीम। इंटरनेट और स्मार्टफोन के इस दौर में जितनी तेजी से डिजिटल सुविधाएं बढ़ी हैं, उतनी ही तेजी से साइबर ठगों का जाल भी फैला है। आजकल अपराधी आसान लोन, सरकारी योजना, इनाम या भारी छूट का लालच देकर लोगों के मोबाइल पर फर्जी ऐप कीएपीके फाइलें भेज रहे हैं। जैसे ही कोई इस फाइल को डाउनलोड करता है, उसका पूरा फोन, बैंकिंग डेटा, ओटीपी और निजी तस्वीरें साइबर अपराधियों के नियंत्रण में चली जाती हैं।

यह चेतावनी राजसमंद पुलिस और कॅरियर संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय 'डिजिटल प्रहरी प्रशिक्षण' कार्यक्रम के चौथे दिन साइबर विशेषज्ञों द्वारा दी गई। भीम उपखंड में पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल

के निर्देशन में चल रहे इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना और उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के व्यावहारिक उपाय सिखाना है।

संचार साथी ऐप और नए दौर के साइबर खतरे

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता साइबर पुलिस थाना राजसमंद के प्रोग्रामर खैरुल वसीम ने युवाओं को संचार साथी ऐप की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज के समय में ठग फिशिंग वेबसाइट, फर्जी कॉल, वॉयस क्लोनिंग (आवाज बदलना) और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी नई तकनीकों के जरिए लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। इनसे बचने का एकमात्र तरीका केवल और केवल सतर्कता है।

साइबर पुलिस की मुख्य सलाह: क्या करें और क्या न करें?

केवल ऑफिशियल स्टोर से डाउनलोड करें ऐप: किसी भी मोबाइल ऐप को हमेशा गूगल प्ले स्टोर या आधिकारिक ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें। किसी अनजान व्यक्ति या व्हाट्सएप ग्रुप में आईएपीके फाइल को भूलकर भी इंस्टॉल न करें। सत्यता की जांच करें: यदि कोई ऐप तुरंत लोन या बहुत बड़े इनाम का दावा करता है, तो बिना सोचे-समझे उस पर भरोसा न करें।

सुरक्षा सेटिंग्स मजबूत रखें: अपने सोशल मीडिया और डिजिटल अकाउंट्स पर मजबूत पासवर्ड लगाएं, उन्हें समय-समय पर बदलें और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन को हमेशा ऑन रखें।

निजी जानकारी न करें शेयर: सोशल मीडिया पर अपनी बेहद निजी जानकारियां और तस्वीरें साझा करने से बचें।

ठगी होने पर तुरंत मिलाएं '1930'

विशेषज्ञों ने युवाओं को बताया कि यदि कोई व्यक्ति किसी साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो बिना घबराए तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करनी चाहिए। इसके अलावा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जा सकती है। समय पर की गई शिकायत से डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

प्रशिक्षण के अंत में युवाओं की शंकाओं का समाधान करते हुए चौहान ज्ञान केंद्र के प्रबंधक प्रवीण सिंह चौहान ने कहा कि इस सात दिवसीय आयोजन का मकसद युवाओं को समाज में 'डिजिटल जागरूकता का दूत' बनाना है, ताकि वे खुद सुरक्षित रहते हुए अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इस डिजिटल ठगी से बचा सकें।

निमंत्रण देने गई विधवा पर लाठी- से हमला

जातिसूचक गालियां देने का आरोप, मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल

थाना क्षेत्र के बहादुरपुरा गांव में एक विधवा महिला पर जानलेवा हमले और जातिसूचक अपमान का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार बहादुरपुरा निवासी चन्ता देवी बलाई 25 जून को गांव में एक सामाजिक कार्यक्रम का निमंत्रण देने गई थीं। आरोप है कि राजपूत मोहल्ले में आरोपी कल्याण सिंह राजपूत ने उन्हें रोककर गाली-गलौज की और जातिसूचक शब्द कहते हुए लाठी से हमला कर दिया। बचाव के दौरान महिला के दोनों हाथों में गंभीर चोटें आईं, जबकि दाहिने हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर (क्रैक) हो गया। महिला ने पीठ और पसलियों में भी चोट लगने

की बात कही है।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि हमला करने के बाद आरोपी ने महिला पर पत्थर भी फेंके, जिससे वह जान बचाकर अपने घर पहुंची। पीड़िता का पहले ही मेडिकल परीक्षण कराया जा चुका है,

शक्करगढ़ थाना पुलिस ने मामले में बीएनएस की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच वृताधिकारी जहाजपुर को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गंगापुर में पैंथर का आतंक: दो युवकों पर किया जानलेवा हमला

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। गंगापुर के लाखोला चौराया क्षेत्र में एक बार फिर पैंथर का आतंक देखा गया है। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष चमन सोनी के खेत में काम कर रहे दो युवकों रतन लाल भील व भग्गू भील पर पैंथर ने अचानक हमला कर दिया। दोनों युवक बाल-बाल बच गए, हालांकि इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना दिया है।

घटना के अनुसार, युवक खेत में सामान्य काम कर रहे थे कि अचानक पैंथर ने उन पर हमला बोल दिया। युवकों ने किसी तरह अपनी जान बचाई और तुरंत घटना की सूचना दी।

वन विभाग की टीम तुरंत सक्रिय हो गई है। रेंजर गीता शर्मा और वनपाल नारायण सिंह की देखरेख में क्षेत्र में लगातार गस्त और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पैंथर को पकड़ने के लिए शीघ्र ही पिंजरा लगाने की तैयारी की जा रही है।

वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, खासकर शाम के समय खेतों या जंगली इलाकों में अकेले न जाएं और बच्चों पर विशेष नजर रखें।

नई दिल्ली में आयोजित एनएफपीआरसी फाउंडेशन की कार्यशाला में शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा की सहभागिता

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। नई दिल्ली-एनएफपीआरसी फाउंडेशन द्वारा सांसदों एवं विधायकों के लिए आयोजित महत्वपूर्ण कार्यशाला में शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने सहभागिता कर कौशल विकास एवं विकसित भारत के विज़न पर आयोजित विचार-विमर्श में सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यशाला के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विज़न को साकार करने के लिए युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप

कौशलयुक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष बल दिया।

इस अवसर पर युवाओं को आधुनिक तकनीक, नवाचार, डिजिटल दक्षता तथा रोजगारोन्मुखी कौशल से सशक्त बनाने संबंधी विभिन्न विषयों पर सार्थक एवं विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए उद्योगों की मांग के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार करना समय की प्रमुख आवश्यकता है।

शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने कहा कि कार्यशाला से प्राप्त सुझाव, अनुभव एवं मार्गदर्शन उनके लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन नवाचारों एवं कौशल विकास से जुड़े विचारों को अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हों तथा वे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

उन्होंने कहा कि युवाओं को आधुनिक तकनीक, नवाचार एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण से जोड़कर ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति दी जा सकती है। इसी उद्देश्य के साथ वे अपने क्षेत्र में कौशल विकास, रोजगार सृजन एवं युवा सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

गंगापुर में ताजिया निकला, हुए हैरतअंगेज कार्यक्रम

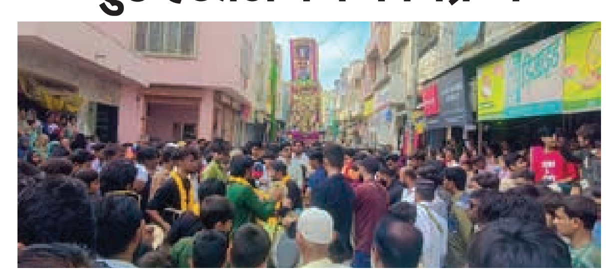

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में नगर में मुस्लिम समुदाय द्वारा मोहर्रम को लेकर ताजिया निकाला गया। ताजिया शुक्रवार को प्रातः मस्जिद चौक से ढोल ताशो के साथ शुरू हुआ,जो प्रमुख मार्गों से होता हुआ पुनः मस्जिद चौक पहुंचा। इस दौरान लोगों द्वारा अखाड़ा प्रदर्शन कर हैरत अंगेज कारनामे किए गए। देर रात ताजिया कर्बला पहुंचा,जहां ताजिया ठंडा किया गया। इस दौरान सलीम अंसारी सहित गणमान्य नागरिकों का साफा बंधवाकर अभिनंदन किया गया।

भीलवाड़ा मेडिकल कॉलेज में नई प्राचार्या डॉ. पूजा गंगराड़े की पहल, रेजिडेंट डॉक्टर्स की समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। भीलवाड़ा मेडिकल कॉलेज की नव नियुक्त प्राचार्या डॉ पूजा गंगराड़े मैडम ने पदभार ग्रहण करने के महज दो दिन बाद ही रेजिडेंट डॉक्टरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए एक सकारात्मक पहल की। आज भीलवाड़ा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के साथ आयोजित बैठक में उन्होंने सभी जूनियर एवं सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना और समाधान पर चर्चा की।

यह पहली बार देखने को मिला कि कॉलेज प्रशासन के शीर्ष स्तर पर प्रत्येक रेजिडेंट से व्यक्तिगत संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया गया। बैठक में पिछले चार महीनों से लंबित वेतन भुगतान के संबंध में मैडम ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा लागू किए गए IFMS 3.0 सिस्टम के माध्यम

से सभी कर्मचारियों का वेतन बनाया जा रहा है, लेकिन रेजिडेंट डॉक्टरों का वेतन स्लैब अभी तक सॉफ्टवेयर में अपडेट नहीं होने के कारण किसी भी राजमेस मेडिकल कॉलेज में वेतन निर्गत नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि जयपुर स्तर से सॉफ्टवेयर अपडेट होने के बाद ही वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण हो सकेगी।साथ ही कॉलेज के पास स्थित डंपिंग यार्ड की समस्या, हॉस्टल में सीवरेज व मेंटेनेंस की दिक्कतें, कॉलेज परिसर में उचित प्रकाश व्यवस्था, कॉलेज एवं हॉस्टल की साफ-सफाई, 24 घंटे रीडिंग रूम की व्यवस्था, लाइब्रेरी एवं लेक्चर थिएटर के खराब एयर कंडीशनर को दुरुस्त करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही कॉलेज की सबसे बड़ी समस्या–स्पोर्ट्स एवं जिम सुविधाओं की कमी–पर भी विशेष चर्चा की गई। कुछ दिन पूर्व छात्रों द्वारा कॉलेज गेट पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से इस विषय में वार्ता की गई थी। इस पर डॉ. गंगराड़े ने भरोसा दिलाया की विधायक कोष एवं डीएमएफटी फण्ड से घोषित राशि का समुचित फॉलोअप करते हुए तथा कॉलज स्पोर्ट्स फंड को सम्मिलित उपयोग कर मेडिकल कॉलेज को एक विकसित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रूप में स्थापित किया जाएगा ।

इसके अतिरिक्त एमजी हॉस्पिटल में रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए ड्यूटी रूम की व्यवस्था तथा एमजी हॉस्टल में सीवरेज व मेंटेनेंस समस्याओं के साथ मेस चालू करने को भी प्राथमिकता से लेने का सकारात्मक आश्वासन दिया गया। रेजिडेंट डॉक्टर्स ने इस बैठक को बेहद सकारात्मक बताते हुए उम्मीद जताई कि नई प्राचार्या के नेतृत्व में कॉलेज की लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और संस्थान में कार्य एवं अध्ययन का वातावरण और बेहतर बनेगा।

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा कि छात्र और प्रशासन अब एकजुट होकर संस्थान के विकास और समस्याओं के समाधान के लिए साथ मिलकर कार्य करेंगे। इस सकारात्मक संवाद ने रेजिडेंट डॉक्टर्स में नई उम्मीद जगाई है कि नई प्राचार्य के नेतृत्व में कॉलेज की लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और संस्थान में कार्य एवं अध्ययन का वातावरण और बेहतर बनेगा।

बैठक में रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ श्याम मीना सहित वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ भावराम यादव, डॉ सबा ख़ान, डॉ प्रद्युम्न सिंह, डॉ हार्दिक सोलंकी व डॉ रजनी डेंडोर के साथ जूनियर रेजिडेंट डॉ ओमप्रकाश यादव, डॉ आशीष वर्मा, डॉ कृष्ण कुमार सुरेला, डॉ प्रीति यादव, डॉ सना मंसूरी, डॉ कोमल राठौड़, डॉ सुषमा सुवालका, डॉ प्रियंका शर्मा, डॉ लक्ष्मण भारद्वाज, डॉ नरेश यादव, डॉ साकेत भावसर, डॉ साहिल जेफ, डॉ जयदीप चौहान, डॉ मौली सिंघल, डॉ अभिषेक राज द्विवेदी, डॉ अमित शर्मा, डॉ धीरज कुमावत, डॉ कुश स्वर्णकार, डॉ रजत सिंघाटिया, डॉ मेघा डेंडोर, डॉ अवंतिका शर्मा आदि रेज़िडेंट डॉक्टर उपस्थित थे।

मारने वाला भी भगवान, बचाने वाला भी भगवान': नृसिंह लीला के भावपूर्ण वर्णन से भक्तिमय हुआ कथा पंडाल

स्मार्ट हलचल

खजूरी। शिवाजी कॉलोनी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा व्यास 15 वर्षीय बालव्यास राधे कृष्ण महाराज ने भक्त प्रह्लाद एवं भगवान नृसिंह अवतार की दिव्य लीला का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को ईश्वर भक्ति का संदेश दिया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े और पूरा कथा पंडाल भगवान के जयघोष से गूंज उठा।

कथा के दौरान महाराज ने कहा कि 'करने वाला भी भगवान है और बचाने वाला भी भगवान है।' उन्होंने बताया कि जब भक्त पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान का स्मरण करता है तो ईश्वर स्वयं उसकी रक्षा के लिए अवतार लेते हैं। भक्त प्रह्लाद की अटूट आस्था और भगवान नृसिंह के प्राकट्य का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि सत्य, धर्म और भक्ति की अंततः विजय होती है, जबकि अहंकार और अधर्म

का विनाश निश्चित है।

महाराज ने श्रद्धालुओं से जीवन में भगवान के प्रति अटूट विश्वास बनाए रखने, सदाचार अपनाने तथा धर्म और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कठिन से कठिन समय में भी ईश्वर पर विश्वास रखने वाला कभी निराश नहीं होता।

कथा के दौरान भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन एवं भगवान नृसिंह के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु कथा श्रवण के दौरान भाव-विभोर होकर भक्ति रस में डूबे रहे।

आयोजक पंडित रामगोपाल

भट्ट ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 30 जून तक प्रतिदिन जारी रहेगा। कथा के अंत में महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

शाहपुरा में दो ताजिए निकले, गूंजा 'या हुसैन', बालाजी छतरी पर उमड़ा जनसैलाब

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। त्याग, बलिदान, सब्र और इंसानियत का पैगाम देने वाले मोहर्रम पर्व पर शुक्रवार को शाहपुरा शहर अकीदत, गम और भाईचारे के रंग में रंगा नजर आया। 'या हुसैन या हुसैन' की गूंज, मातमी नगारों की थाप और हजारों लोगों की मौजूदगी के बीच शहर में दो प्रमुख ताजिए निकाले गए। एक ताजिया देशवाली समाज का था, जबकि दूसरा कायमखानी समाज का। दोनों ताजियों के जुलूस ने पूरे शहर में धार्मिक आस्था के साथ सांप्रदायिक सौहार्द का अनुपम संदेश दिया।

सुबह से ही शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों सहित प्रमुख मार्गों पर मोहर्रम को लेकर विशेष रौनक दिखाई दी। युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों में अलग ही उत्साह था। जगह-जगह छबील, शरबत और ठंडे पेय की व्यवस्था की गई, जहां सभी धर्मों के लोगों ने सेवा भाव से सहभागिता निभाई। शाहपुरा की यही गंगा-जमुनी तहजीब इस आयोजन को विशेष बनाती है।

दोपहर बाद देशवाली समाज का

ताजिया मोहर्रम के चबूतरे से रवाना हुआ। जैसे ही ताजिया आगे बढ़ा, मातमी धुनों के साथ युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। जुलूस निर्धारित मार्गों से गुजरता हुआ बालाजी की छतरी पहुंचा। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहले से मौजूद थे। बालाजी की छतरी पर पहुंचते ही माहौल पूरी तरह भावुक और ऊर्जावान हो उठा। युवाओं ने पारंपरिक हाईदोश खेलते हुए शानदार अखाड़ा प्रदर्शन किया। लाठी, तलवार और करतबों के दमदार प्रदर्शन ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दर्शकों ने तालियों और नारों के साथ युवाओं का उत्साह बढ़ाया।

इसी दौरान कायमखानी समाज का ताजिया भी दिलकुशाल बाग से रवाना हुआ। मातमी नगाड़ों की गूंज और 'या अली, या हुसैन' की सदाओं के बीच जुलूस आगे बढ़ता गया। रास्ते भर लोग ताजिये के दीदार के लिए उमड़ पड़े। कायमखानी समाज का ताजिया भी बालाजी की छतरी पहुंचा, जहां दोनों ताजियों का भावपूर्ण मिलन हुआ। यह दृश्य पूरे आयोजन का सबसे आकर्षक और भावुक क्षण माना गया।

बालाजी की छतरी पर दोनों ताजियों के मिलन के दौरान युवाओं

का उत्साह चरम पर था। पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन, हाईदोश और मातमी खेलों ने वातावरण को ऊर्जा से भर दिया। इस दौरान शाहपुरा राजपरिवार के शाही महलों के चैक से भी ताजिया निकाला गया, जिसने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। बड़ी संख्या में युवा इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

जुलूस मार्ग पर जगह-जगह संगठनों, स्थानीय नागरिकों और मुस्लिम समाज द्वारा छबील, शरबत तथा ठंडे पेय का वितरण किया गया। तेज गर्मी के बीच यह सेवा कार्य लोगों के लिए राहत का कारण बना। बालाजी की छतरी पर भी विशेष रूप से ठंडे पेय और जल सेवा की व्यवस्था की गई। हर तरफ सेवा, समर्पण और इंसानियत की झलक साफ दिखाई दे रही थी।

शाम ढलते-ढलते दोनों ताजिए कर्बला शरीफ की ओर रवाना हुए। देशवाली समाज का ताजिया कर्बला शरीफ पहुंचने के बाद सुल्तान शाह की बावड़ी में ठंडा किया गया। वहीं कायमखानी समाज का ताजिया कुंड गेट स्थित बावड़ी में ठंडा किया गया। ताजियों के ठंडे होने के साथ ही मोहर्रम की रस्में संपन्न हुईं और माहौल गमगीन हो उठा।

पूरे आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। जुलूस मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। नगर पालिका द्वारा सफाई, प्रकाश और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। प्रशासन की सतर्कता के चलते पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

शाहपुरा में निकले मोहर्रम के ताजियों ने एक बार फिर यह संदेश बुलंद किया।

'हुसैनियत केवल इतिहास नहीं, बल्कि इंसानियत की जीवित चेतना है और इसी संदेश के साथ शाहपुरा ने एक बार फिर भाईचारे, प्रेम और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल कायम कर दी।

मातमी धुनों के बीच निकला ताजिया, अखाड़ों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

इमाम हुसैन की शहादत की याद में जहाजपुर में निकला जुलूस

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। नबी के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में शुक्रवार को कस्बे में मातमी धुनों और गमगीन माहौल के बीच ताजिया जुलूस निकाला गया। जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

जुलूस के दौरान युवाओं ने अखाड़ों के माध्यम से पारंपरिक युद्ध कौशल, लाठी और अन्य हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मातमी धुनों और 'या हुसैन' की सदाओं के बीच अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की।

ताजिया जुलूस के मार्ग पर जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया तथा शीतल पेयजल, छबील, शर्बत एवं अन्य सेवाओं की व्यवस्था की गई। जुलूस के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मुस्तैद रहे। निर्धारित मार्ग से गुजरने के बाद ताजिए को परंपरा के अनुसार कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

सीरियल चैन स्नैचर मुकेश कुमार झा गिरफ्तार, चार वारदातों का पर्दाफाश

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। विजयनगर थाना क्षेत्र और आसपास महिलाओं के साथ चेन स्नेचिंग की गंभीर वारदातों को दृष्टिगत रखते हुए इसके शीघ्र खुला सेवर दर पकड़ के निर्देश दिए गए थे। निर्देशनानुसार श्रीमती अनुकृति उज्जैनिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर तथा श्री शिवराज सिंह वृताधिकारी वृत्त मसूदा के निकटतम सुपरविजन में विजयनगर थानाधिकारी करण सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व के गठित टीम द्वारा तकनीकी और मानवीय आसूचना के आधार पर अज्ञात अभियुक्त मुकेश कुमार झा की पहचान कर उसको गिरफतार किया है।

घटना का विवरण :- दिनांक 19.05.2026 को प्रार्थी पुखराज पुत्र श्री लादूलाल जैन निवासी बिजयनगर ने इस आशय की रिपोर्ट पेश की कि मेरी सास उच्छब देवी रामगढ़ से रात करीब 8.45 बजे अपने महावीर बोहरा कॉलोनी बिजयनगर स्थित मकान पर जा रहे थे। उसी दौरान लगभग 1:55 बजे महेश स्कूल के बाहर अज्ञात व्यक्ति मोटरसाईकिल पर आकर मेरी सास की चैन तोड़कर कर ले गये। रिपोर्ट पर प्रकरण संख्या 185/2028 चारा 304(2) बी एन एस में दर्ज कर अनुसंधान आरम्भ किया गया।

दौराने अनुसंधान घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपीगणी की तलाश हेतु थाना स्तर पर टीमों का गठन किया जाकर घटनास्थल के आस पड़ोसियों से घटना के बारे में पूछताछ की गई व घटना स्थल के आसपास एनएच 48 पर टोल नाको के सीसीटीवी फुटेज चैक किए। आसूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर भीलवाड़ा पुलिस के सहयोग से आरोपी मुकेश कुमार झा को भीलवाडा से डिटेन किया जाकर विस्तृत पूछताछ की गई। आरोपी ने पूछताछ के दौरान बरल रोड विजयनगर पर महिला के साथ चैन स्नैचिंग की घटना सहित बिजयनगर क्षेत्र में महिलाओं के साथ साथ चार चैन स्नैचिंग की वारदात को स्वीकार किया है। उन वारदातों के संबंध में पुलिस थाना बिजयनगर पर अलग- अलग प्रकरण दर्ज है। आरोपी मुकेश कुमार झा से अन्य जिलों की वारदातों के संबध में भी विस्तृत पूछताछ जारी है।

आरोपी द्वारा विजयनगर क्षेत्र में निम्न स्थानों पर चैन स्नैचिंग की वारदात करना कबूल किया है:- सीमा तातेड निवासी बिजयननर के साथ बालाजी मन्दिर रेल्वेन फाटक रोड बिजयनगर, सिद्धी चौपडा निवासी विजयनगर के साथ जुझार जी के स्थान के पास बराल रोड विजयनगर, उच्छब देवी निवासी महावीर बोहरा कोलोनी बिजयनगर के साथ महेश स्कूल बरात रोड विजयनगर, सुमन नाहर निवासी पायेनाव कोलोनी विजयनगर के साथ सरकारी अस्पताल के पास विजयनगर।

गिरफ्तार आरोपी मुकेश कुमार झा पुत्र श्री संतोष झा उम्र 20 साल निवासी 11 सी- न्यू पटेल नगर मौरा सर्किल भीलवाडा के विरुद्ध पूर्व में दो अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

भोमेश्वर महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव उल्लास के साथ संपन्न

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

आशापुरा विहार कॉलोनी, बेडवास में नवनिर्मित भोमेश्वर महादेव मंदिर का दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धार्मिक आस्था एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जानकारी देते हुए गणेशलाल डूंगावत (शर्मा) ने बताया कि आशापुरा विहार कॉलोनी में नवनिर्मित भोमेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत पहले दिन शुक्रवार शाम 5 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीतों के साथ भाग लिया। इसके पश्चात रात्रि में संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार प्रातः वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच हवन-पूजन एवं पूर्णाहुति संपन्न हुई।

इसके बाद विधि-विधान से भगवान भोमेश्वर महादेव की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं स्थापना की गई। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भूपेंद्र शर्मा, किशन लोहार, राधेश्याम, गणेशलाल शर्मा, रामलाल, लक्ष्मीलाल मेनारिया, नारायण लोहार सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

बीगोद के मोहर्रम जलसे में उमड़े लोग

स्मार्ट हलचल

आकोला। बीगोद स्थानीय क़स्बे में मोहर्रम ताज़िए का जुलूस हुसैन चौक से सुबह शुरू हुआ जो मुल्तानी मस्जिद ,रामा का खूंट,पुराना बाजार,बालाजी चोक, पुलिस चौकी रोड होते हुए मोहर्रम को ठंडा करने के लिए अपने निर्धारित स्थान पर ले जाया गया। मार्ग में जगह जगह हाय दोष खेला गया।तासे,ढोल नगाड़े बजाये । लकड़ी, तलवार आदि से करतब दिखाए। मार्ग में धर्म के प्रतीक झंडे लहराते हुए भी लोग चल रहे थे।मार्ग में खासी लोगों की भीड़ का नजारा बना रहा। मोहर्रम के जलसे के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था माकूल रही। प्रशासनिक अधिकारी भी जुलूस में शांति व्यवस्था की दृष्टि से मौजूद रहे। सायंकाल मोहर्रम को ठंडा करने के लिए बनास नदी पर ले जाकर ठंड़ा करने की रस्म पूरी की गयी।

फूलियाकलां में गूंजे 'या हुसैन' के नारे, ढोल-ताशों की मातमी धुनों के बीच निकला मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस

आस्था, अकीदत और कौमी एकता का दिखा संगम, हजारों अकीदतमंदों की मौजूदगी में निकला भव्य मोहर्रम जुलूस

स्मार्ट हलचल

फूलियाकलां में हजरत इमाम हसन-हुसैन की शहादत की याद में शुक्रवार को फूलियाकलां कस्बे में मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस पारंपरिक श्रद्धा, अकीदत और जोश के साथ निकाला गया। ढोल-ताशों की मातमी धुनों और 'या हुसैन, या हुसैन' के नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा। कर्बला के शहीदों की याद में निकले इस धार्मिक आयोजन में स्थानीय सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

जुलूस सुबह करीब 11 बजे मदीना मस्जिद चौक स्थित इमामबाड़े से रस्मी सलामी के साथ प्रारंभ हुआ।

इसके बाद जुलूस शाजी चौक, होली का खुठ, गोदारा मोहल्ला, लामरोड़ो का चौक, कुरैशी मोहल्ला और आसण चौक होते हुए गढ़ चौक पहुंचा। इस दौरान हुसैनी कमेटी के पहलवानों ने अखाड़ेबाजी के हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए।

जुलूस मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा शरबत छबील और ठंडे पेयजल की व्यवस्था की गई। गढ़ चौक पर टीम भगत सिंह आर्मी के हर्षित तोषनीवाल, व भीम आर्मी टीम के लालाराम रावण व गोदारा मोहल्ला में पूर्व सरपंच किशन लाल गोदारा द्वारा शरबत वितरण किया गया। अकीदतमंदों ने खारक, नोट और खोपरे के सेवरे चढ़ाकर परिवार की खुशहाली, अमन और शांति की दुआ मांगी।

जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में आगे बढ़ते हुए शाम को बस स्टैंड स्थित मदरसा स्थित कर्बला शरीफ पहुंचकर संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान कौमी एकता और भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली।

इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय की ओर से थाना अधिकारी राजकुमार नायक, नायब तहसीलदार रणजीत मीना, गिरदावर रमेश सुखवाल, उपसरपंच हरि सिंह लामरोड़, रामधन जाट एवं अखाड़ा कमेटी के उस्ताद लाल मोहम्मद नीलगर का अंजुमन कमेटी सदर हाजी कयूम कुरैशी द्वारा साफा बांधकर स्वागत किया गया।मोहर्रम जुलूस में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक, प्रबुद्धजन और युवा, महिलाएं मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर माकूल इंतजाम किए, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

वंडर सीमेंट के एसटीइएम एवं एआई समर कैंप का समापन, नवाचार आधारित मॉडल प्रदर्शित

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

वंडर सीमेंट लिमिटेड की 'नींव इनिशिएटिव' के तहत संचालित 10 दिवसीय एसटीइएम एवं एआई समर कैंप का समापन समारोह शुक्रवार को वंडर सीमेंट रूरल डेवलपमेंट सेंटर में यूनिट हेड नितिन जैन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। समापन अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यूनिट हेड नितिन जैन ने परियोजना क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों एवं पाटनी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा तैयार 15 नवाचार आधारित मॉडलों का अवलोकन कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी ज्ञान, नवाचार और डिजिटल शिक्षा ही भविष्य की सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटलीकरण और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करने का आह्वान किया। समारोह में पाटनी पब्लिक स्कूल के एडवाइजर अनिल सोमानी एवं शिक्षा विभाग से दीपक भट्ट भी मंचासीन रहे।

समर कैंप में विभिन्न राजकीय विद्यालयों एवं पाटनी पब्लिक स्कूल के कक्षा 8 से 12 तक के 45 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को एसटीइएम शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन तकनीक तथा 3-डी प्रिंटिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने अपने नवाचार पर आधारित 15 मॉडल तैयार कर प्रस्तुत किए।

वंडर सीमेंट लिमिटेड द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत परियोजना क्षेत्र के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में रूरल डेवलपमेंट सेंटर पर युवाओं के लिए ष्टश्व', ड्ढष्ठह्र, चतुर्थ श्रेणी, 'श्वश्व', पटवारी एवं पुलिस कांस्टेबल जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग भी नियमित रूप से संचालित की जा रही है। समापन समारोह में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने समर कैंप से प्राप्त अनुभव साझा किए। इस अवसर पर राजकीय विद्यालय फाचर अहीरान के वरिष्ठ अध्यापक गोवर्धन पाटीदार, राजकीय विद्यालय बांसा के सुरेश कुमावत, अभिभावकगण तथा वंडर सीमेंट रूरल डेवलपमेंट सेंटर के अधिकारी एवं कर्मचारी उप-स्थित रहे।

राउण्ड टेबल ने राजकीय विद्यालय में विकसित किया फन जोन, बच्चों को मिली झूले और फिसलपट्टियों की सौगात

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

शिक्षा के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चित्तौड़गढ़ विक्टर राउण्ड टेबल-361 ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, काठोडिया की बाल वाटिका में आधुनिक फन जोन विकसित कर विद्यालय को समर्पित किया। विद्यालय खुलने से पहले ही बच्चों को झूले एवं खेल सामग्री की सौगात देने के लिए गुरुवार को इसका लोकार्पण किया गया।

संस्था के पूर्व अध्यक्ष रौनक जैन ने बताया कि फन जोन में आंगनबाड़ी एवं कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए तीन प्रकार की फिसलपट्टियां, दो प्रकार की चकरी, संतुलन विकसित करने वाला डक गेम तथा बड़ा डक झूला लगाया गया है, जिससे बच्चों को खेल-खेल में सीखने का बेहतर वातावरण मिलेगा।

लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि संस्था अध्यक्ष हिमांशु समदानी रहे। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष रौनक जैन, ऋषभ सिसोदिया, विनीत जैन, आयुष इनाणी, प्रेरक हेमेन्द्र कुमार सोनी तथा तकनीकी सहायक लोकेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों का ग्रामीणों ने उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया।

विद्यालय के शिक्षक कमल कुमार मीणा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह पहल विद्यालय के वातावरण को बच्चों के लिए अधिक आनंददायक एवं आकर्षक बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। मुख्य अतिथि हिमांशु समदानी ने बताया कि राउण्ड टेबल संस्था समय-समय पर राजकीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी कार्य करती रही है।

कार्यक्रम के दौरान फन जोन का फीता काटकर लोकार्पण किया गया तथा विद्यालय को औपचारिक रूप से सौंपा गया। इस अवसर पर कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को स्टेशनरी एवं ज्योमेट्री किट का भी वितरण किया गया।

समारोह का संचालन कमल कुमार मीणा ने किया तथा आभार शारीरिक शिक्षक जगदीश चंद्र जोशी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भीम-उनियारा एनएच-148डी पर सीमेंट से भरा ट्रक पलटा

स्मार्ट हलचल

कोठियांभीम-उनियारा एनएच-148डी मार्ग पर शुक्रवार को अरनिया चौहान चौराहे के पास उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया जब सीमेंट से लदा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे से क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक तेज गति में था और अचानक संतुलन बिगड़ने से चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे ट्रक सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं, हालांकि वह पूरी तरह सुरक्षित बच गया।

सौभाग्य से उस समय सड़क पर कोई अन्य वाहन या राहगीर ट्रक की चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा और गंभीर हादसा होने से बच गया। यदि ट्रक थोड़ी दूरी पर भी किसी वाहन की ओर गिरता तो स्थिति भयावह हो सकती थी।

घटना के बाद मौके पर राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और मार्ग पर आवागमन को नियंत्रित करने में मदद की।

गांव पालड़ी के सपूत अग्निवीर भानु प्रताप सिंह का हुआ सम्मान

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

देश की सेवा कर अपने गांव, क्षेत्र एवं परिवार का नाम गौरवान्वित करने वाले ग्राम पालड़ी निवासी अग्निवीर भानु प्रताप सिंह का शुक्रवार को पेच एरिया स्थित कांग्रेस कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री ने अग्निवीर भानु प्रताप सिंह का मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर, उपरणा ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय सम्मान किया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर सेवा देने

वाले जवान राष्ट्र की असली शक्ति हैं तथा अग्निवीर भानु प्रताप सिंह जैसे युवा पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय हैं। उन्होंने कहा कि पालड़ी गांव के इस सपूत ने सेना में सेवा देकर अपने माता-पिता, गांव और जिले का नाम रोशन किया है। आंजना ने युवाओं से देशसेवा की भावना को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि सेना में भर्ती होकर राष्ट्र रक्षा का दायित्व निभाना सबसे बड़ा सम्मान है। ऐसे वीर जवानों का सम्मान समाज का नैतिक कर्तव्य है।

समारोह में निंबाहेड़ा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष भोपराज टांक, बड़ीसादड़ी के पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अभय मेहता, नगर कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य गणपत पुरी सहित पालड़ी गांव के विक्रम सिंह,राजेंद्र सिंह राणावत, महावीर सिंह, युवराज सिंह, चंद्रपाल सिंह, सुरेश गायरी, यशपाल सिंह,आशुतोष टांक एवं कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने अग्निवीर भानु प्रताप सिंह को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा देशसेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

भारतीय सेवा में चयन होने पर निकाला जुलूस

स्मार्ट हलचल |बारां/बामला

जिले के समीप निकटवर्ती बामला ग्राम के अंकित नागर पुत्र नंदकिशोर नागर द्वारा भारतीय सेवा में चयन होने के बाद अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

कर अपनी मातृभूमि पर प्रथम आगमन पर नागर का खुले वाहन में डीजे के साथ जुलूस निकाला गया । गांव के समाजसेवी महावीर सुमन ने बताया कि जुलूस मेगा हाईवे से प्रारंभ होकर मुख्य सड़क मार्ग खटीको का मोहल्ला होते हुए करीब दो घंटे में अपने गंतव्य स्थल पर पहुंचा नागर का जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया इस मौके पर युवा भारत माता के जयकारे लगाते हुए साथ चल रहे थे इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता गिरिराज नागर, सत्यनारायण चौहान, रामरतन नागर, राहुल शर्मा , केशव गौड, समेत बड़ी संख्या में युवा एवं ग्रामीण मौजूद थे।

ताजिये पर मन्नती धागा व तबुर्र्क पेश कर मांगी दुआ

स्मार्ट हलचल|क़ाछोला

कस्बे में पैग़म्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब (स अ व)के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम पर ताजिया निकाला गया।अकीदतमंदों में ढोल ताशो की मातमी धुन के साथ बजा या अली या हुसैन की सदाये बुलुन्द की।ताजिया जामा मस्जिद से शुरू हुआ जो सदर बाजार तक निम्बाहेड़ा व अलोद की अखाड़ा पार्टी ने हेरत अंगेज करतब दिखाए वही बाद में, गोल चबूतरा, पुराना बाजार, पुराना थाना से राजगढ़ रोड होता हुआ शाम ढलते बाई पास स्तिथ करबला शरीफ कब्रिस्तान में शहराब किये गए।इससे पूर्व सुबह से ताजिया को अलग अलग कलर से सजाया गया जो कि आकर्षण का केंद्र रहा और सुबह जामा मस्जिद स्तिथ मुहर्रम मुकाम पहुंच अकीदतमंदों ने सेहरा, मेहंदी, तबर्रुक, नारियल, छुआरा, फूल माला पेश कर फातिहा पढ़ मन्नत मांगी और किसी ने मन्नती धागे बांधे तो किसी ने घरों में बैठ इबादत की रोजे रखे।वही ताजिया जुलूस में काछोला थाना प्रभारी माली राम चौधरी, नायब तहसीलदार कैलाश चन्द्र मीणा, सरपंच रामपाल बलाई, पटवारी चन्द्रवीर सिंह, लाइसेंस धारी हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी, हाजी मोहम्मद शाबिर रँगरेज, कमालुद्दीन रँगरेज, हाजी रमजान अली बिसायती, मोहम्मद यूनुस रँगरेज, रफ़ीक़ मंसूरी, हाजी बाबू मेवाती, उस्मान गनी रंगरेज, सरवर खान, बाबू शाह, मुबारिक हुसैन मंसुरी, जाकिर मंसुरी, अब्बास अली, फिरोज मेवाती, असलम रँगरेज, सलीम मंसूरी, मुबारिक रंगरेज, सरफू साह, ईखलास मंसूरी, सहित सैकड़ो मुस्लिम जन उपस्तिथ थे।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ श्री विष्णुयज्ञ एवं कीर्ति स्तंभ प्रतिष्ठा महोत्सव

स्थापित देवता एवं मातृका पूजन के साथ विष्णुयाग का शुभारंभ, 81 दिव्य कलशों से हुआ कीर्ति स्तंभ का महास्नपन

स्मार्ट हलचल| बड़ोदिया (बांसवाड़ा)

समस्त गुजराती मेवाड़ा सुथार समाज, बड़ोदिया एवं श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर में शुक्रवार को दो दिवसीय श्री विष्णुयज्ञ एवं कीर्ति स्तंभ प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं के अनुरूप हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में वैदिक ऋचाओं, शंखध्वनि और जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं।

हेमाद्रि संकल्प के साथ प्रारंभ हुए धार्मिक अनुष्ठान

आयोजन का शुभारंभ पंडित कपिल शास्त्री के आचार्यत्व में हेमाद्रि संकल्प, गणपति पूजन, मंडप प्रवेश, कलश स्थापना एवं अग्नि स्थापना के साथ हुआ। इसके बाद स्थापित देवता पूजन एवं मातृका पूजन संपन्न कराया गया तथा वैदिक विधि-विधान से विष्णुयाग प्रारंभ हुआ। यजमानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि एवं समाज की उन्नति की कामना की।

ग्रह शांति एवं कुटीर होम के साथ हुआ कीर्ति स्तंभ पूजन

महोत्सव के अंतर्गत नवनिर्मित कीर्ति स्तंभ की विशेष पूजा-अर्चना भी संपन्न हुई। समस्त देवी-देवताओं का आवाहन करते हुए ग्रह शांति एवं कुटीर होम के तहत यज्ञ में आहुतियां दी गईं। इसके पश्चात कीर्ति स्तंभ का दूध, घी, शर्करा, मधु, पंचगव्य एवं पंचामृत सहित विभिन्न पवित्र द्रव्यों से अभिषेक कराया गया।

पंडित पंकज जोशी एवं पंडित राहुल के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कीर्ति स्तंभ का जलाधिवास एवं धान्याधिवास संस्कार संपन्न हुआ। इसके साथ ही दिव्य औषधियों से युक्त 81 पवित्र कलशों के माध्यम से कीर्ति स्तंभ का भव्य महास्नपन कराया गया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रों, घंटानाद और श्रद्धालुओं के जयघोष से गुंजायमान रहा।

आज संगीतमयी सुंदरकांड, शनिवार को होगा प्रतिष्ठा महोत्सव का मुख्य आयोजन

मंदिर समिति अध्यक्ष सुरेश सुथार ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस के धार्मिक अनुष्ठान देर शाम तक जारी रहेंगे। रात्रि में आयोजित होने वाला संगीतमयी सुंदरकांड श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। शनिवार को विष्णुयज्ञ की पूर्णाहुति, नवनिर्मित कीर्ति स्तंभ की वैदिक विधि-विधान से प्रतिष्ठा, महाआरती, धर्मसभा एवं विशाल महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सुथार समाज के सातों चोखलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहेंगे।

इन यजमानों ने दी यज्ञ में आहुतियां

कीर्ति स्तंभ स्थापना के यजमान लीलाराम भूराजी शर्मा की ओर से डॉ. कमलेश शर्मा एवं श्रीमती भावना शर्मा तथा हेमन्त शर्मा एवं रंजना शर्मा ने यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं। वहीं विष्णु यज्ञ कुंड के यजमान पुरुषोत्तमजी वखतरामजी सुथार परिवार की ओर से हीरालाल सुथार एवं मंजूला देवी ने यज्ञ में भाग लिया। प्रतिमा पूजन एवं अभिषेक के यजमान सुरेशचंद्र भुराजी सुथार एवं शकुंतला देवी ने भी वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां देकर समाज एवं विश्व के कल्याण की कामना की।

युवा कार्यकर्ताओं ने संभाली व्यवस्थाओं की कमान

प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने में समाज के युवा कार्यकर्ताओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।लीलाराम शर्मा व प्रेमशंकर सुथार के निर्देशन में दिनेश सुथार, प्रवीण धूलजी सुथार, जगदीश शर्मा, हेमन्त शर्मा, नारायणलाल सुथार, घनश्याम सुथार, भूपेश सुथार, किशोर व दीपक सुथार, विशाल व दीपन, भुवन सहित अन्य युवाओं ने मंदिर परिसर की सजावट, यज्ञशाला की व्यवस्था, श्रद्धालुओं के स्वागत, भोजन, महाप्रसादी, पार्किंग एवं अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते हुए आयोजन को सुव्यव-स्थित बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

पिता का साया खो चुकी बेटी का घर बसाया, गूंज महिला मंडल ने 32 गृहस्थी सामग्री के साथ कराया विवाह

अमृतम सेवा संस्थान की अनूठी पहल; समाज के सहयोग से मानवता, सामाजिक उत्तरदायित्व और बेटी सम्मान का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल| कोटा

सामाजिक सरोकारों को सेवा का स्वरूप देते हुए अमृतम सेवा संस्थान के तत्वावधान में गूंज महिला मंडल, यादव समाज ने एक बार फिर अनुकरणीय पहल करते हुए पिता का साया खो चुकी एक बेटी का विवाह पूरे सामाजिक सम्मान के साथ संपन्न कराया। शहीद पन्नालाल छात्रावास स्थित मैरिज गार्डन में आयोजित इस समारोह में समाज की सहभागिता और सामूहिक सहयोग ने मानवता की मिसाल पेश की। विवाह के अवसर पर नवदंपती को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए सोने की लौंग, बिछिया, पलंग, कूलर, पंखे, सिलाई मशीन, डिनर

सेट सहित कुल 32 प्रकार की गृहस्थी सामग्री भेंट की गई। समारोह में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की।

गूंज महिला मंडल की फाउंडर प्रेसिडेंट ज्योति ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल विवाह संपन्न कराना नहीं, बल्कि जरूरतमंद बेटियों को सम्मानपूर्वक नया जीवन देने का है। उन्होंने कहा कि समाज के सामूहिक सहयोग से इस प्रकार के सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

महिला मंडल की सदस्यों ने निभाई सक्रिय भूमिका

कार्यक्रम को सफल बनाने में गूंज महिला मंडल की उपाध्यक्ष रानी सिंह, लक्ष्मी यादव, अनीता यादव, डॉ. शशि यादव, बीना यादव, मोहनी यादव, सुनीता वर्मा, शशि सिंह, कमलेश यादव, भारती यादव, रितिका यादव, अनुपम सिंह, रश्मि सिंह, स्वाति पोरवाल, सुषमा सोन, दीपा यादव, मधु यादव, नंदनी यादव, सीमा यादव, रेखा पोरवाल, मृदुला यादव, ज्योति वाला, मीनाक्षी भट्ट, सरोज यादव एवं रेखा यादव की उल्लेखनीय सहभागिता रही। सभी सदस्यों ने विवाह की तैयारियों से लेकर आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं तक अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन किया।

सम्मेलन समिति ने संभाली आयोजन की कमान

कार्यक्रम के सफल संचालन में सम्मेलन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें शिवचरण यादव (ठेकेदार), जगदीश यादव (ठेकेदार), शोभाराम जी, निर्मल हरि सिंह यादव, श्याम यादव, नरेंद्र यादव, विजय बाकोलिया तथा कार्यक्रम संयोजक प्रदीप यादव की सक्रिय भागीदारी रही। समारोह के समापन पर सम्मेलन समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन में योगदान देने वाले सभी कार्यकर्ताओं एवं महिला मंडल की सदस्यों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। उपस्थित समाजजनों ने इस पहल को सामाजिक एकजुटता, बेटी सम्मान और मानवीय संवेदनाओं का प्रेरणादायी उदाहरण बताते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय प्रयास बताया।

मातमी धुनों के साथ निकाले ताजिया, इन्द्रगढ़ मे मोहर्रम पर अखाड़ा निकाला

स्मार्ट हलचल|लाखेरी

उपखंड क्षेत्र के इंद्रगढ़ में शुक्रवार को मोहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा तजिए निकाले गए। दोपहर को जामा मस्जिद के पास से अखाड़े का जुलूस रवाना हुआ, अखाड़े बाजो द्वारा हैरतअंगेज करतब दिखाए गए। उस्ताद द्वारा लाग का प्रदर्शन किया गया। अखाड़े का पुराने थाने के पास जाकर समापन हुआ ।

मेवाती मस्जिद के पास से मोहर्रम का मुख्य जुलूस शुरू हुआ जो सदर बाजार, नया मंदिर होते हुए कटला बाजार पहुंचा जहां कुछ देर मोहर्रम का जुलूस रुका उसके बाद पुराने बस स्टैंड श्री राम चौराहे से हुआ चांद सागर पहुंचा जहां मोहर्रम को ठंडा किया गया। इसी दौरान मुस्लिम समाज के लोगो द्वारा छबील लगाकर शरबत पिलाया, कटला बाजार मे मुस्लिम कमेटी द्वारा लंगर भी लगाया गया।

मुस्लिम समाज के लोगो ने बताया कि अली व हुसैन की याद मे मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाता है। मोहर्रम के अवसर पर इन्द्रगढ़, सुमेरगंजमंडी, लाखेरी, करवर, देई, नैनवा सहित आस पास के क्षेत्र से हजारों की संख्या मे मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए। इन्द्रगढ़ तहसीलदार रामभरोस मीणा, लाखेरी पुलिस उपाअधीक्षक नरेंद्र नागर, इन्द्रगढ़ थानाधिकारी सुरजीत सिंह योगी मय जाप्ता तैनात रहे।

पूर्व विधायक किशन सिंह चुंडावत की 20वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

आसींद। विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 1972 में निर्दलीय विधायक रहे स्वर्गीय किशन सिंह चुंडावत की 20वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को दौलतगढ़ बस स्टैंड स्थित प्रतिमा पर ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी गई। राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहे चुंडावत को उनकी सादगी और जनसेवा के लिए याद किया गया।

पूर्व विधायक किशन सिंह चुंडावत का क्षेत्र की राजनीति में एक बड़ा कद था। उनका राजनीतिक सफर बेहद लंबा और प्रेरणादायी रहाः वे आसींद विधानसभा क्षेत्र के तीन बार प्रधान रहे।

उन्होंने कई बार सरपंच पद पर रहकर जमीनी स्तर पर जनता की सेवा की।वर्ष 1972 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी लाल व्यास के सामने निर्दलीय चुनाव लड़ा था। उस चुनाव में कुल हुए 45,534 मतदान में से 23,013 मत प्राप्त कर उन्होंने एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की और आसींद के विधायक बने।

2016 में हुआ था प्रतिमा अनावरण

उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक चुंडावत का निधन 26 जून को हुआ था। क्षेत्र की जनता के प्रति उनके योगदान को अक्षुण्ण रखने के लिए 21 अगस्त 2016 को दौलतगढ़ बस स्टैंड पर उनकी प्रतिमा स्थापित की गई थी। इस प्रतिमा का अनावरण तत्कालीन महामहिम राज्यपाल वी.पी. सिंह बदनोर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ था।

पुण्यतिथि के अवसर पर दौलतगढ़ सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय चुंडावत के चित्र और प्रतिमा पर सूत की माला व पुष्प चक्र अर्पित कर उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

ब्यावर में अकीदत और शांति के साथ निकाला गया मोहर्रम का जुलूस, कर्बला मैदान में ताजिए हुए सैराब

सात ताजियों का हुआ ऐतिहासिक 'रूहानी मिलन', युवाओं ने दिखाए हैरतअंगेज करतब; सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में शुक्रवार को ब्यावर शहर में मोहर्रम का जुलूस पूरी अकीदत, अदब और मातमी माहौल के साथ निकाला गया। गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करते हुए यह पूरा आयोजन अत्यंत शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

फतहपुरिया चौपड़ पर हुआ ताजियों का 'रूहानी मिलन'

परंपरा के अनुसार, दोपहर में शहर के विभिन्न मोहल्लों से सात ताजिए रवाना हुए। इनमें शहर इमामबाड़ा से शहर ताजिया, मेहंदी चौक से कल्लन खां कागदी, छीपा मोहल्ला से छीपान ताजिया, कसाबान मोहल्ले से कुरशियान ताजिया, नला मोहल्ला से मेवाफरोश का ताजिया, छावनी का ताजिया और बुंदुशाह का ताजिया शामिल थे। इन सभी सातों ताजियों का दोपहर में फतहपुरिया चौपड़ पर भव्य 'रूहानी मिलन' हुआ, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ पड़ा।

मातमी धुनें और हैरतअंगेज करतब

जुलूस के दौरान मुस्लिम समाज के युवा ढोल, ताशों और नगाड़ों पर गमगीन मातमी धुनें बजाते हुए या हुसैन की सदाएं बुलंद कर रहे थे। जुलूस में शामिल अखाड़े के युवाओं ने लाठी, तलवार और पारंपरिक हथियारों से एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब दिखाए। मोहर्रम के मौके पर शहर में जगह-जगह सामाजिक संगठनों और अकीदतमंदों द्वारा शर्बत, हलीम, चावल और चाय जैसी शिरनी का वितरण किया गया।

इन मार्गों से गुजरा जुलूस

फतहपुरिया चौपड़ से एक साथ रवाना होकर यह जुलूस सरावगी मोहल्ला, पिनारान मार्ग, पंडित मार्केट, लोहरान चौपड़, पाली बाजार, चांग गेट, सिटी सिनेमा और मिल रोड़ होता हुआ देर शाम नून्द्री मेन्द्रातान स्थित कर्बला मैदान पहुंचा। यहाँ पूरी अकीदत और मातमी माहौल के बीच सातों ताजियों को 'सैराब' (ठंडा) किया गया।

प्रशासन रहा मुस्तैद

जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए जिला और पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। जिला कलेक्टर कमलराम मीणा, पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, एसडीएम दिव्यांश सिंह, एएसपी डॉ. अनुकृति उज्जेनिया, तहसीलदार हनूतसिंह और पुलिस उपअधीक्षक राजेश कसाणा समेत सिटी थानाधिकारी आशुतोष गुप्ता मय जाप्ते के मुस्तैद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ब्यावर सर्किल, पुलिस लाइन और आरएससी के जवानों को पूरे शहर में तैनात किया गया था।

29 वर्ष पुराने कृषि ऋण प्रकरण का निस्तारण, किसान को 17.90 लाख की ब्याज राहत

किसान को मिला राहत योजना का लाभ, 29 वर्ष पुराना ऋण प्रकरण निपटा-राठौड़

3.48 लाख जमा, 17.90 लाख की राहत,अध्यक्ष चैनसिंह के प्रयासो से 29 साल पुराने ऋण से किसान को मिली मुक्ति

स्मार्ट हलचल| कोटा

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना-2025-26 के तहत कोटा सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड ने 29 वर्ष पुराने कृषि ऋण प्रकरण का सफल निस्तारण कर एक किसान को बड़ी राहत प्रदान की है। वर्ष 1997 से लंबित इस मामले में किसान द्वारा 3.48 लाख रुपये जमा कराने पर राज्य सरकार की ओर से 17.90 लाख रुपये की ब्याज राहत स्वीकृत की गई, जिससे कुल 21.38 लाख रुपये की वसूली सुनिश्चित हुई। ऋण के पूर्ण निस्तारण के साथ ही किसान को मौके पर नो-ड्यूज प्रमाण पत्र सौंपा गया तथा बैंक में गिरवी रखी गई 10 खसरा नंबरों में दर्ज 17 बीघा कृषि भूमि को रहनमुक्त कर दिया गया।

कोटा सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देशों तथा सहकारिता मंत्री गौतम दक के मार्गदर्शन एवं प्रयासों के अनुरूप शाखा रामगंजमंडी से जुड़े इस 29 वर्ष पुराने अवधिपार ऋण प्रकरण का समाधान किया गया। ग्राम चौसला, तहसील चेचट निवासी राधेश्याम पुत्र धन्नालाल मीणा ने मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना के अंतर्गत 3.48 लाख रुपये जमा कराए, जिसके बदले राज्य सरकार ने 17.90 लाख रुपये की राहत प्रदान की। इससे वर्षों से लंबित ऋण का निस्तारण संभव हो सका और किसान को आर्थिक संबल मिला।

राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार की यह योजना आर्थिक रूप से संकटग्रस्त किसानों को राहत देने के साथ उन्हें पुनः बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के माध्यम से किसानों की सिबिल प्रोफाइल में सुधार हो रहा है, जिससे भविष्य में उन्हें संस्थागत ऋण प्राप्त करने का मार्ग भी सुगम होगा।

नो-ड्यूज प्रमाण पत्र सौंपते समय बैंक सचिव एवं उप पंजीयक ऋतु सपरा, वरिष्ठ अधिकारी धर्मवीर सिंह, खलीलउद्दीन तथा बैंक के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। राठौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना-2025-26 के अंतर्गत अब तक कोटा जिले के 410 किसानों को 10.43 करोड़ रुपये की ब्याज राहत प्रदान की जा चुकी है। किसानों से 4.81 करोड़ रुपये की नकद वसूली प्राप्त होने के साथ कुल 15.24 करोड़ रुपये की वसूली सुनिश्चित की गई है, जो योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

बगरू विधायक डॉ कैलाश वर्मा के जन्मदिवस पर भागवत कथा का आयोजन, निमेड़ा गांव पहुंचे राज्यपाल

पुण्य का मार्ग, गौ सेवा के साथ ही संभव - राज्यपाल

स्मार्ट हलचल

बगरू। शुक्रवार को श्री श्याम गौशाला, निमेड़ा में दिनांक 24 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प कार्यक्रम में राजस्थान के मान्य राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े पहुंचे। उन्होंने बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर गौशाला परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया और व्यासपीठ का आशीर्वाद लिया। विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने राज्यपाल का साफा एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। राज्यपाल ने गौमाता को हरा चारा व गुड़ खिलाकर गौ सेवा की। गौ संरक्षण को भारतीय संस्कृति का आधार बताया एवं पुण्य का मार्ग, गौ सेवा के साथ ही संभव है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत परिसर में पौधरोपण किया। नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अभियान से जुड़ने की अपील की। श्री श्याम गौशाला में निर्मित पक्षी आश्रय स्थल का भी राज्यपाल ने अवलोकन किया। पक्षियों के दाना-पानी की व्यवस्था को अनुकरणीय बताया। राज्यपाल महोदय ने विधायक डॉ. वर्मा को जन्मदिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और गौ सेवा, पर्यावरण व जीव दया के क्षेत्र में गौशाला के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर गौशाला संचालक एवं पूर्व सरपंच प्रभुदयाल वर्मा, स्थानीय सरपंच औंकार लांबा,गौशाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं हजारों की संख्या में मातृशक्ति एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

ब्यावर में गूंजा 'नशामुक्त मगरा महाभियान' का बिगुल, सेदरिया से हुई शुरुआत

राजकीय अमृतकौर अस्पताल में खुलेगा नशामुक्ति केन्द्र, विधायक शंकरसिंह रावत ने किया एलान

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के मौके पर मगरा क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के लिए एक बड़े आंदोलन की शुरुआत हो चुकी है। राजस्थान रावत-राजपूत महासभा (ब्यावर) के तत्वाधान में शुक्रवार को सेदरिया के पीएमश्री स्कूल में 'नशामुक्त मगरा महाभियान' का भव्य शुभारंभ किया गया। इस महाभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के चंगुल से बचाना और ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता फैलाना है।

अस्पताल में खुलेगा नशामुक्ति केंद्र

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्यावर विधायक शंकरसिंह रावत ने महासभा की इस अनूठी पहल की सराहना की। उन्होंने युवाओं से हर प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील करते हुए एक बड़ी घोषणा की कि ब्यावर के राजकीय अमृतकौर अस्पताल में जल्द ही एक नशामुक्ति केन्द्र खुलवाया जाएगा, ताकि पीड़ित लोगों का सही इलाज और काउंसिलिंग हो सके।

गांव-गांव पहुंचेगा अभियानः ये है पूरी कार्ययोजना

महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पन्नासिंह जोडकिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस अभियान को हर सर्कल स्तर पर ले जाया जाएगा। वरिष्ठ महामंत्री प्राचार्य मानसिंह चौहान ने आगामी कार्ययोजना का खाका पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गयाः

गांव-गांव संकल्प मॉडलः हर गांव में जाकर लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना। पियर लीडरशिप ट्रेनिंगः स्कूलों में बच्चों को ट्रेनिंग देना ताकि वे अपने सहपाठियों को जागरूक कर सकें। सामाजिक व धार्मिक मंचों का उपयोगः समाज के हर बड़े आयोजन और धार्मिक स्थलों से नशामुक्ति की शपथ दिलाना।

मदद के लिए टोल-फ्री नंबर जारी

कार्यक्रम में राजियावास प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत ने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशामुक्ति केंद्र के टोल-फ्री नंबर 1800110031 पर कॉल करके कोई भी व्यक्ति नशामुक्ति से जुड़ी सही जानकारी और निशुल्क मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है।

समाजबंधुओं ने ली नशामुक्ति की शपथ

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी समाजबंधुओं को नशामुक्ति की संकल्प दिलाई गई। इस अवसर पर महासभा के उपाध्यक्ष किशोरसिंह काछबली, नरबदखेड़ा प्रशासक आनंदसिंह, युवा प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट बलवीरसिंह रावत, विरेन्द्रसिंह रावत, पार्षद गोपालसिंह सेदरिया, और विक्रमसिंह केसरपुरा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ये रहे उपस्थितः

प्रदेश प्रवक्ता त्रिभुवन नारायणसिंह चौहान के अनुसार, इस मौके पर प्रदेश संगठन मंत्री भगवानसिंह सुजावत, प्रधान कोषाध्यक्ष प्रकाशसिंह रावत, श्यामसिंह सेदरिया, शक्तिसिंह सिंघाड़िया, बीरमसिंह अतीतमंड, चैनसिंह कालिंजर, कालूसिंह सेदरिया, राजकुमार रावत, सुरेन्द्रसिंह और एडवोकेट करणसिंह रावत सहित भारी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

हसन-हुसैन की शहादत की याद में उनियारा में निकले ताजिये

स्मार्ट हलचल

उनियारा/टोंक। इस्लाम धर्म के पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद साहब के नवासों हज़रत इमाम हसन एवं हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में शुक्रवार को उनियारा कस्बे में मोहर्रम के अवसर पर पारंपरिक ताजियों का जुलूस श्रद्धा, अकीदत, अनुशासन एवं शांतिपूर्ण वातावरण में निकाला गया। मातमी धुनों और 'या हुसैन' की सदाओं के बीच निकला जुलूस कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर नैनवां रोड स्थित निर्धारित स्थल पहुंचा, जहां धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजियों को पानी में ठंडा किया गया।

जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़ों के उस्तादों एवं पट्टेबाज़ों ने तलवारबाज़ी, लाठी संचालन तथा पारंपरिक युद्ध कलाओं के रोमांचक और हैरतअंगेज़ करतब प्रस्तुत किए। इन आकर्षक प्रदर्शनों को देखने के लिए मार्गों पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। करतबों ने श्रद्धालुओं और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के साथ भारतीय पारंपरिक युद्ध कला की झलक भी प्रस्तुत की। मोहर्रम के अवसर पर उनियारा में सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहज़ीब की अनूठी मिसाल भी देखने को मिली। विभिन्न समाजों के लोगों के साथ बड़ी संख्या में हिंदू महिला-पुरुषों ने भी ताजियों पर फूल एवं मिठाई अर्पित कर हज़रत इमाम हुसैन की कुर्बानी को नमन किया तथा आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर ताजिया कमेटी के पदाधिकारियों ने दस्तारबंदी कर उनका सम्मान किया।

ऊकरूंद में भक्ति का महासंगमः दो दिवसीय विशाल हरिकीर्तन दंगल का भव्य समापन, हजारों श्रद्धालुओं की आस्था से गूंजा पूरा क्षेत्र

लक्ष्मण का तीसरा ब्याह, रावण-मंदोदरी विवाह, भोले बाबा की महिमा और राम-सीता विवाह की कथाओं से भक्त हुए भाव-विभोर

स्मार्ट हलचल

मंडावर/दौसा। उपखंड क्षेत्र के ग्राम ऊकरूंद ने एक बार फिर धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। गांव में आयोजित दो दिवसीय विशाल हरिकीर्तन दंगल का शुक्रवार को अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ समापन हुआ। इस धार्मिक महाआयोजन में दौसा, करौली, धौलपुर सहित आसपास के अनेक गांवों से हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्म, भक्ति और संस्कृति के इस अनूठे संगम का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया।

दो दिनों तक गांव का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा रहा। सुबह से लेकर देर रात तक भजन-कीर्तन, धार्मिक कथाएं, भगवान के जयकारे और श्रद्धालुओं की भक्ति ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ धार्मिक आयोजन में भाग लिया। कई श्रद्धालु घंटों तक एकाग्र होकर कथा और भजनों का रसपान करते रहे।

भक्ति, संगीत और संस्कृति का अद्भुत संगम

दंगल में शामिल चारों हरिकीर्तन पार्टियों ने अपनी विशिष्ट शैली में धार्मिक कथाओं का संगीतमय वर्णन किया। मधुर स्वर, लोक वाद्य यंत्रों की मनमोहक धुन, प्रभावशाली संवाद और जीवंत प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को ऐसा आध्यात्मिक अनुभव कराया कि पूरा पंडाल भक्ति रस में सराबोर हो गया। हर प्रस्तुति के बाद तालियों की गड़गड़ाहट और भगवान के जयघोष लंबे समय तक गूंजते रहे।

लक्ष्मण के तीसरे ब्याह की कथा ने दिया मर्यादा और त्याग का संदेश

मीना सीमला हरिकीर्तन पार्टी ने लक्ष्मण के तीसरे ब्याह की कथा का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा में मर्यादा, त्याग, पारिवारिक मूल्यों और धर्म के पालन का महत्व बताया गया। कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय और मधुर गायन ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के जयघोष लगाए।

रावण-मंदोदरी विवाह की कथा से मिला नीति और विवेक का संदेश

नाहरखोहरा हरिकीर्तन पार्टी ने रावण-मंदोदरी विवाह की कथा को प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत किया। कथा के माध्यम से बताया गया कि ज्ञान और शक्ति तभी सार्थक हैं जब उनके साथ विनम्रता, संयम और धर्म का पालन हो। रावण के चरित्र के विभिन्न पहलुओं को रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने बड़ी गंभीरता और रुचि से सुना।

भोले बाबा की महिमा सुन झूम उठे श्रद्धालु

गुढा बरौली (धौलपुर) हरिकीर्तन पार्टी ने भगवान भोलेनाथ की महिमा का गुणगान करते हुए शिवभक्ति से जुड़े अनेक प्रेरणादायक प्रसंग सुनाए। जैसे ही 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारे गूंजे, पूरा पंडाल भक्तिमय हो उठा। अनेक श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमने लगे और वातावरण शिवमय हो गया।

राम-सीता विवाह की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

खानपुर (सपोटरा) हरिकीर्तन पार्टी ने भगवान श्रीराम एवं माता सीता के दिव्य विवाह की संगीतमय कथा और मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कीं। विवाह प्रसंग के दौरान पूरा पंडाल 'जय श्रीराम' और 'सीताराम' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भजनों के साथ झूमते हुए धार्मिक उल्लास का आनंद लिया।

सेवा और सत्कार की मिसाल बना आयोजन

आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए। भीषण गर्मी को देखते हुए शुद्ध पेयजल, ठंडी शिकंजी, फल-फ्रूट, चाय एवं जलपान की व्यवस्था लगातार जारी रही। श्रद्धालुओं के बैठने, विश्राम, पार्किंग और साफ-सफाई की व्यवस्था भी सुव्यवस्थित रही। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने आयोजन समिति की सेवा भावना की मुक्तकंठ से सराहना की।

हरिकीर्तन पार्टियों और अतिथियों का हुआ सम्मान

समापन समारोह में आयोजक रामफूल मीना (पूर्व सरपंच) एवं आयोजन समिति ने सभी हरिकीर्तन पार्टियों, अतिथियों, भजन गायकों और सहयोगकर्ताओं का साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। सम्मान समारोह के दौरान श्रद्धालुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

धार्मिक आयोजन बना सामाजिक एकता का प्रतीक

आयोजक रामफूल मीना ने कहा कि यह हरिकीर्तन दंगल केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने वाला सांस्कृतिक महोत्सव है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी ग्रामवासियों, भजन मंडलियों, दानदाताओं, युवाओं, महिलाओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि ऊकरूंद का यह आयोजन अब पूरे क्षेत्र की पहचान बन चुका है और प्रत्येक वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर धर्म, भक्ति और संस्कृति का संगम देखते हैं। भविष्य में भी इस आयोजन को और अधिक भव्य रूप में आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा।

इनका रहा उल्लेखनीय योगदान

दो दिवसीय इस विशाल धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में जगमोहन मीना (जयन), खुशीराम मीना (ठेकेदार), काडूराम मीना (ठेकेदार) सहित समस्त ग्रामवासियों, आयोजन समिति, युवाओं, महिला मंडल, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकर्ताओं ने तन-मन-धन से योगदान दिया। सभी ने मिलकर सेवा, समर्पण और संगठन का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

भक्ति, संस्कृति, सामाजिक समरसता और जनसहभागिता का अद्भुत संगम बने ऊकरूंद के दो दिवसीय विशाल हरिकीर्तन दंगल का समापन भगवान के जयघोष, आध्यात्मिक उल्लास और जनआस्था की अविस्मरणीय छाप के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं के मन में अब अगले वर्ष होने वाले आयोजन को लेकर उत्साह और प्रतीक्षा साफ दिखाई दे रही है।

सावर में मातमी धुनों के बीच निकला मोहर्रम का जुलूस, तालाब में ताजियों को किया गया सेराब

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। कस्बे में मोहर्रम का पर्व शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय द्वारा श्रद्धा, आस्था और गमगीन माहौल में मनाया गया। मुस्लिम समाज की मोहर्रम कमेटी के सानिध्य में मातमी धुनों और ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच ताजियों का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया।

मोहर्रम का जुलूस सब्जी मंडी स्थित मस्जिद से प्रारंभ होकर नई आबादी क्षेत्र के मदरसे से होता हुआ बस स्टैंड पहुंचा। बस स्टैंड पर युवाओं ने हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को रोमांचित कर दिया।

इस दौरान पटवार भवन के सामने जुलूस को कुछ समय के लिए रोका गया, जहां मुस्लिम समाज के लोगों ने मस्जिद में जाकर जुम्मे की नमाज अदा की। नमाज के बाद जुलूस शाहपुर गेट, गोल हथाई होते हुए इलाहजी के चौक पहुंचा, जहां युवाओं ने एक बार फिर पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया।

जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यव-स्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस थाना सावर के एएसआई राजेंद्र चौधरी एवं किशनलाल चौधरी के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता पूरे मार्ग पर तैनात रहा।

इसके बाद जुलूस इलाहजी के चौक से सदर बाजार और तृप्त बाजार होते हुए सावर राजघराना के गढ़ परिसर पहुंचा। यहां पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में राजपरिवार ने मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों का दास्तारबंदी कर स्वागत एवं सम्मान किया। देर शाम मोहर्रम का जुलूस तालाब की पाल पर पहुंचा, जहां शोकपूर्ण वातावरण और मातमी धुनों के बीच धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजियों को तालाब में सेराब (विसर्जित) किया गया। पूरे आयोजन के दौरान कस्बे में शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना रहा।

भीलवाड़ा का शातिर चैन स्नैचर विजयनगर में गिरफ्तार

महिलाओं से की गई 4 वारदातों का खुलासा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। विजयनगर।विजयनगर थाना पुलिस ने भीलवाड़ा पुलिस के सहयोग से एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए क्षेत्र में आतंक का पर्याय बने एक शातिर सीरियल चैन स्नैचर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी भीलवाड़ा का निवासी है, जिसने विजयनगर क्षेत्र में अकेले ही महिलाओं को निशाना बनाते हुए चैन स्नैचिंग की चार गंभीर वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है। पुलिस आरोपी से अन्य जिलों में की गई वारदातों के संबंध में भी सघन पूछताछ कर रही है।

विशेष टीम ने भीलवाड़ा से दबोचा

विजयनगर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही चैन स्नैचिंग की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ब्यावर) अनुकृति उज्जैनिया एवं वृताधिकारी (मसूदा) शिवराज सिंह के सुपरविजन में विजयनगर थानाधिकारी करण सिंह (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटना स्थलों के आसपास और एनएच-48 पर लगे टोल नाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी अनुसंधान और मानवीय आसूचना के आधार पर भीलवाड़ा पुलिस की मदद से संदिग्ध मुकेश कुमार झा को भीलवाड़ा से डिटेन किया गया, जिसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया।

इन 4 वारदातों का हुआ खुलासा

पुलिस की कड़ाई से पूछताछ में आरोपी मुकेश कुमार झा ने विजयनगर में अलग-अलग स्थानों पर निम्नलिखित वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया हैः बालाजी मंदिर रोडः सीमा तातेड़ निवासी बिजयनगर के साथ रेलवे फाटक रोड पर चैन स्नैचिंग। बराल रोडः सिद्धी चोपड़ा निवासी विजयनगर के साथ जुझार जी के स्थान के पास वारदात। महेश स्कूल के पासः उच्छब देवी निवासी महावीर बोहरा कॉलोनी से उस समय चैन तोड़ी जब वे रात को घर लौट रही थीं। (इस संबंध में थाना विजयनगर में मामला दर्ज था)। सरकारी अस्पताल के पासः सुमन नाहर निवासी पायनाल कॉलोनी के साथ चैन स्नैचिंग की वारदात।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

थानाधिकारी करण सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मुकेश कुमार झा (20 वर्ष) पुत्र संतोष झा, निवासी 11 सी- न्यू पटेल नगर, मौरा सर्किल, भीलवाड़ा का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह अकेला ही मोटरसाइकिल पर आकर सुनसान रास्तों या कम भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल चल रही महिलाओं को निशाना बनाता था।

टीम का विशेष योगदान

इस पूरी कार्रवाई में विजयनगर थानाधिकारी करण सिंह, भीलवाड़ा के प्रतापनगर थानाधिकारी सुनील ताड़ा, सुभाषनगर थानाधिकारी कैलाश बिश्नोई सहित विजयनगर के हेड कांस्टेबल गोपीराम और कांस्टेबल मोहित सिंह की विशेष और सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अब आरोपी से लूटी गई चैन की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

मातमी धुनों के साथ निकाले ताजिए, हैरत अंगेज अखाड़ा हुआ

स्मार्ट हलचल |कोटा

सांगोद मातमी धुनों के साथ निकाले गए ताजिए सलीम अंसारी ने बताया कि हज़रत इमाम हुसैन का संघर्ष,त्याग और बलिदान हमें असत्य,अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध मानवता की सबसे मजबूत ढाल बनने की सीख देता है हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में इस्लामिक मोहर्रम माह की 10 तारीख को मातमी धुनों के साथ ताजिए निकाले गए जिसमें बड़ी संख्या में बुजुर्ग,नौजवान, बच्चे ढोल तासे बजाने के साथ हैरत अंगेज अखाड़ा खेलते हुए चल रहे थे रास्ते में कई जगह शरबत कि छबीले लगी हुई थी लुहारों के चौक में इमाम चौक नौजवान कमेटी के द्वारा प्रशासनिक अधिकारी पुलिस उप अधीक्षक जिनेन्द्र कुमार जेन थाना अधिकारी अनिल कुमार,लक्ष्मण सिंह ज़िम्मेदार पटेलिया पाड़ा सदर शौकत अंसारी,इमाम चौक सदर अकिल गौरी,काला चबूतरा सदर शाकिर पठान,वक्फ कमेटी सदर मिर्जा मुश्ताक अहमद जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद, जिला देहात अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष सलीम अंसारी, सरपरस्त शफीक ठेकेदार, फ़िरोज पठान,शाहिद भाया,मंसूर अली,रफीक ठेकेदार वह अखाड़े के उस्ताद अब्दुल हक टेलर,जुबैर खान वह दानिश खान को माला पहना के वह साफ़ा बाँध सम्मानित कर पगड़ी बंदाई की रस्म अदा की गई।

ब्यावर के जांबाजों का कमालः राष्ट्रीय यूथ एडवेंचर प्रोग्राम में ब्यावर के 40 प्रतिभागियों ने बिखेरी चमक

स्काउट-गाइड संस्कारों का विद्यालय, एडवेंचर से बढ़ता है युवाओं का आत्मविश्वासः विमल चौहान

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। भारत स्काउट एवं गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय यूथ एडवेंचर प्रोग्राम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। उत्तराखंड के हरिद्वार (रायवाला रेलवे स्टेशन) स्थित स्काउट-गाइड प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित इस विशेष शिविर में ब्यावर जिले के युवाओं ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से हर किसी को प्रभावित किया। शिविर का कुशल संचालन शिविर प्रभारी अमन सर एवं कमल सर के नेतृत्व में किया गया।

राजस्थान के दल में ब्यावर का रहा दबदबा

सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान ने ब्यावर के इस प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय शिविर के लिए पूरे राज-स्थान से कुल 72 प्रतिभागियों का चयन हुआ था, जिनमें से अकेले 40 प्रतिभागी ब्यावर जिले से थे। यह न केवल ब्यावर बल्कि पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। मोहन सिंह चौहान के संयोजन में ब्यावर का यह दल हरिद्वार पहुँचा था।

संस्कारों का विद्यालय है स्काउट एवं गाइड

इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रतिभागियों को बधाई देते हुए सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान ने कहाः 'स्काउट एवं गाइड केवल एक संगठन नहीं, बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ कला सिखाने वाला संस्कारों का विद्यालय है। ऐसे एडवेंचर कार्यक्रम युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, राष्ट्रप्रेम और विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता का विकास करते हैं। प्रकृति के बीच रहकर कठिन परिस्थितियों का सामना करने से युवा आत्मनिर्भर बनते हैं तथा टीम भावना के साथ कार्य करना सीखते हैं। '

धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने सिर्फ ट्रेनिंग ही नहीं ली, बल्कि देश की समृद्ध संस्कृति को भी करीब से देखा। दल ने हरिद्वार, बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ धाम, देवप्रयाग और भारत के प्रथम ग्राम 'माणा' सहित कई महत्वपूर्ण धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। इस पूरे आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में साहस, टीम भावना और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करना था।

इन युवाओं ने बढ़ाया जिले का मान

शिविर में ब्यावर के सुमित कुमार फौजदार, बगदाराम सेन, हनुमान प्रसाद वैष्णव, अंबादास वैष्णव, दिलीप सिंह, ओमप्रकाश टेलर, विजयलक्ष्मी राणावत, सुमित टेलर, अक्षत टेलर, जितेंद्र कुमार, मनोज कुमार, गोविंद सिंह, विष्णु कुमार वर्मा, राजेश सोगरा, दर्शित सोगरा, भेरूलाल बुनकर, जमना, संतोष देवी, गौरव चौहान, नरेंद्र सिंह, सरोज रावत, शोभा वैष्णव, सुमित्रा गोयल, वंदना चौहान, रेखा जनागल, दीपिका सोगरा, संतरा कुमारी, विद्या, ममता सोगरा, वर्षा गहलोत, निशा सोगरा, बंटी, ममता सेन, उर्मिला मीणा, लक्ष्मी देवी और बीना देवी सहित अन्य प्रतिभागियों ने सक्रिय और सराहनीय सहभागिता निभाई।शिविर की समाप्ति पर सभी स्काउट्स और गाइड्स ने इस अनुभव को जीवन का सबसे यादगार और प्रेरणादायक पल बताया और राष्ट्रीय मुख्यालय व अपनी ट्रेनिंग टीम का आभार जताया।

डॉ. इन्द्रजीत सिंह का ब्यावर व जैतारण दौराः अस्पतालों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को गुणवत्तापूर्ण और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. इन्द्रजीत सिंह ने ब्यावर जिले का दो दिवसीय सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय ब्यावर तथा उप जिला चिकित्सालय जैतारण का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि मरीजों के उपचार और सुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अस्पतालों के विभिन्न वार्डों का लिया जायजा, मरीजों से किया संवाद

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत ने बताया कि अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान स्टेट नोडल अधिकारी ने ओपीडी, आईपीडी, आपातकालीन सेवाएं, प्रसूति कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, प्रयोगशाला और दवा वितरण केन्द्रों का बारीकी से अवलोकन किया। डॉ. इन्द्रजीत सिंह ने न केवल व्यवस्थाएं देखीं, बल्कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के पास जाकर उनसे बातचीत की और अस्पताल से मिल रही सुविधाओं व दवाओं के संबंध में सीधा फीडबैक लिया।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

निरीक्षण के दौरान डॉ. सिंह ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने प्रसूति कक्ष, नवजात शिशु देखभाल इकाई और टीकाकरण सेवाओं को देखा। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा, 'प्रत्येक गर्भवती महिला को समय पर गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाएं मिलनी चाहिए। उच्च जोखिम गर्भावस्था वाले मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आवश्यकता होने पर समय पर रेफरल सुनिश्चित किया जाए। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के प्रयासों में कोई शिथिलता स्वीकार नहीं होगी। '

साफ-सफाई और मुफ्त दवाओं की उपलब्धता पर जोर

स्टेट नोडल अधिकारी ने अस्पताल प्रभारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई, आवश्यक जांच सुविधाएं, उपकरणों की कार्यशीलता और दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता हर समय सुनिश्चित रहनी चाहिए। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान यह रहे उपस्थित

इस महत्वपूर्ण दौरे और समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत, अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. लोकेश कुमावत, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस. एस. चौहान, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रदीप मुलेवा सहित ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य अधिकारी और संबंधित अस्पतालों के प्रभारी व नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

कर्नल चार्ल्स जॉर्ज डिक्सन की 169वीं पुण्यतिथि पर सेवादल ने दी श्रद्धांजलि, मजार पर की चादरपोशी

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। शहर के संस्थापक कर्नल चार्ल्स जॉर्ज डिक्सन की 169वीं पुण्यतिथि ब्यावर जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा श्रद्धापूर्वक मनाई गई। ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. अरविंद माथुर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने कर्नल डिक्सन की याद में गगनभेदी नारे लगाए और ब्यावर के विकास में उनके योगदान को याद किया।

मजार पर पुष्प अर्पित कर मांगी अमन-चैन की दुआ

इस अवसर पर सेवादल के कार्यकर्ता छावनी फाटक के बाहर स्थित कर्नल डिक्सन की मजार पर एकत्रित हुए। वहाँ सभी ने मजार पर पुष्प व माला अर्पित कर कर्नल डिक्सन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यकर्ताओं ने ईश्वर से प्रार्थना की कि ब्यावर जिले में हमेशा अमन, चैन और भाईचारा कायम रहे तथा शहर पर कर्नल डिक्सन का आशीर्वाद सदा बना रहे। इस दौरान 'जब तक सूरज चांद रहेगा, डिक्सन साहिब का नाम रहेगा' और 'कर्नल डिक्सन अमर रहें' के नारों से परिसर गूंज उठा।

वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस और सेवादल के कई प्रमुख नेता व पदाधिकारी शामिल हुए, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थेः जगदीश सिंह राठौर (उपाध्यक्ष, राजस्थान शिक्षक प्रकोष्ठ),धन्ना सिंह भाटी (ब्यावर ब्लॉक अध्यक्ष, स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ),ऋषि लाम्बा (प्रदेश कॉर्डिनेटर,पीसीसी अल्पसंख्यक विभाग), अशोक साहू (ध्वज रक्षक, सेवादल), भारत भाटी (ब्लॉक प्रवक्ता, सेवादल),रामस्वरूप डागर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता। कर्नल डिक्सन को ब्यावर का शिल्पकार माना जाता है, जिन्होंने 19वीं सदी में इस शहर की स्थापना कर इसे एक व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया था। यही वजह है कि आज भी स्थानीय लोग उन्हें बड़े आदर के साथ याद करते हैं।

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है-

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जेक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है- डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलजिम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा

फिल्ममेकर अनिल शर्मा का कहना है कि जैसे ही उनके हाथ 'गदर: एक प्रेम कथा' की स्क्रिप्ट आई, उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी हिट बन सकती है। 25 साल बाद, कई रिकॉर्ड बनाने और एक हिट फ्रेंचाइज बनने के बाद भी अनिल शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि यह फिल्म आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने फिल्म को याद करते हुए कहा, 'जिस दिन फिल्म के राइटर शक्तिमान तलवार ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, उसी दिन मुझे समझ आ गया था कि यह भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन सकती है, और ऐसा हुआ भी। 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम' और 'शोले' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं, और मैंने कोशिश की कि यह फिल्म भी उसी लेवल की बने। यह फिल्म टॉप फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। ब्लॉकबस्टर कमाई के अलावा, इस फिल्म को करीब 10 करोड़ दर्शकों ने देखा, जो आज तक कोई फिल्म हासिल नहीं कर पाई। यहां तक कि 'गदर 2' का फुटफॉल भी इसका आधा ही था।'

लगान से टक्कर पर फिल्ममेकर का बयान रिलीज के दिन 'लगान' से टक्कर पर वह कहते हैं, 'आज हम कहते हैं कि 'लगान' से मुकाबला था, लेकिन उस समय ऐसा कुछ नहीं था। उस दौर में दो-तीन बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होती थीं और सभी अच्छा चलती थीं। लोग एक फिल्म देखने के बाद दूसरी फिल्म भी देखने जाते थे। वो मार्केटिंग का नहीं, दिल का दौर था।' कास्टिंग को लेकर अनिल शर्मा कहते हैं, 'लोग पूछते हैं कि क्या कोई और विकल्प था, लेकिन सनी देओल, अमरीश पुरी या बाकी कलाकारों के लिए हमारे पास दूसरा कोई विकल्प था ही नहीं।'

क्या 'गदर 3' बनेगी

गदर 3 बनने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब उत्कर्ष बड़ा हुआ तो लोग कहने लगे कि जीते की कहानी लाओ। लेकिन मेरे लिए अगर 'गदर' एक बम थी, तो 'गदर 2' के लिए मुझे एटम बम जैसी कहानी चाहिए थी, और उसने इतिहास बना दिया। अब अगर मुझे न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी, तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा। हम इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और अगर सब सही रहा तो अगले साल इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।' बता दें कि पहले पार्ट में सनी देओल, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 15 जून 2001 को आमिर खान की 'लगान' के साथ रिलीज हुई थी।

मानवी गगरू ने सुनाया करियर के शुरुआत का किस्सा

मुझे 'कंप्रोमाइज' का मतलब ही समझ नहीं आया

अभिनेत्री मानवी गगरू ने हाल ही में मनोरंजन जगत में नए कलाकार के तौर पर अपने कुछ अजीब और असहज अनुभवों के बारे में बात की है। उन्होंने वह अनुभव याद किए, जब उन्हें इशारों-इशारों में अजीब ऑफर दिए गए। साथ ही कास्टिंग से जुड़ी अजीब शब्दावली का भी जिक्र किया, जो शुरुआत में उनकी समझ में नहीं आई थी। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर होने के नाते सिनेमा में आगे बढ़ना उनके लिए सीखने वाली प्रक्रिया रही।

मानवी ने बताई करियर की अजीब घटना

हाल ही में मानवी ने 'टू गर्ल्स एंड टू कप्स' शो में बताया कि करियर की शुरुआत में उनके साथ एक बहुत अजीब घटना हुई थी। उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए 'एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइजट का ऑफर देने वाला मैसेज मिला। उन्होंने कहा, 'यह मेरे करियर के शुरुआत की बात है, इसलिए मैंने जवाब में पूछा कि 'कॉम्प्रोमाइज?' दरअसल, मुझे इसका मतलब नहीं पता था'। मानवी ने माना कि शुरू में उन्हें इस शब्द का मतलब समझ नहीं आया था और उन्होंने वह मैसेज एक ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर को भी दिखाया जिन पर उन्हें भरोसा था।

मैसेज भेजने वाले की हिम्मत ने हैरान किया

मानवी ने कहा, 'मैंने इसे एक कास्टिंग डायरेक्टर को दिखाया, जो मेरे लिए एक मेंटर की तरह थे। उन्होंने कहा, बस उसे डिलीट करो, ब्लॉक करो'। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई कि मैसेज भेजने वाले ने इतनी हिम्मत दिखाई कि ऐसा ऑफर भी लिखकर भेजा। उन्होंने कहा, 'मैं हैरान रह गई, यार। लोग आमतौर पर सोचते हैं कि कोई सबूत नहीं होना चाहिए। वे फोन पर बातें करते हैं, ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। लेकिन यहां तो टेक्स्ट में ही एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज की बात कही गई थी'। बता दें कि मानवी गगरू चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवीएफ पिचर्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी सीरीज में काम किया है। इसके अलावा वे 'नो वन किल्ड जेसिका', 'पीके', 'तू है मेरा संडे' और 'उजड़ा चमन' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

नए स्टार्स के साथ ऐसा ही होता है

वह किस्सा याद कर मानवी को हंसी आ गई कि उन्होंने उस मैसेज का मतलब कितनी मासूमियत से समझा था। उन्होंने कहा, 'मुझे पहले लगा कि 'कॉम्प्रोमाइज' का मतलब है कि बजट में कॉम्प्रोमाइज करेंगे या नहीं। मुझे लगा शायद यह कोई फाइनेंशियल बात है। जैसे जीएसटी, पता है न? एक लाख रुपये प्लस जीएसटी, शायद कुछ कॉम्प्लिमेंट्री भी हो। साथ में कॉम्प्रोमाइज। मुझे पता नहीं था'। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग नए-नए इंडस्ट्री में आते हैं और वहां की भाषा समझने की कोशिश करते हैं, उनके साथ ऐसी गलतफहमियां होना आम बात है। मानवी के मुताबिक, 'जो लोग फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते उनके साथ ऐसा ही होता है।

नयनतारा ने सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' की सफलता का मनाया जश्न

सामंथा रुथ प्रभु अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मा इंटी बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। एक्शन कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। नयनतारा ने फिल्म की सफलता को लेकर सामंथा को बधाई दी है। उन्होंने पूरी टीम को प्यार और सफलता की शुभकामनाएं देते हुए एक प्यारा संदेश भी लिखा है।

फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को देखते हुए साउथ अभिनेत्री नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक खास पोस्टर शेयर किया। उन्होंने सामंथा को 'सैम' कहकर बधाई दी और लिखा कि वह इस सफलता की हकदार हैं। उन्होंने पूरी टीम को भी शुभकामनाएं दीं।

बॉक्स ऑफिस पर दो दिनों की कमाई

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की नई तेलुगु फिल्म 'मां इंटी बंगारम' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

'मां इंटी बंगारम' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसे नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है। फिल्म 18 जून, 2026 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 'यशोदा', 'घाटी' और 'द गर्लफ्रेंड' के पहले दिन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म में सामंथा के साथ गुलशन देवैया और दिगंथ मंचले भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। 'द इंडिया स्टोरी' फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी। यह पोस्टर साफ दिखाता है कि फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है। फिल्म का मकसद लोगों को इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरूक करना है, जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में भारत के एक बड़े लेकिन कम चर्चा में रहने वाले पब्लिक हेल्थ इश्यू को दिखाया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस हिट के बिना इंडस्ट्री गंभीरता से नहीं लेती

'स्त्री' और 'स्त्री 2' की सफलता के बाद अब ऑडियंस को इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार है। 'स्त्री' में जना का किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी भी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार कर रहे हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में अभिषेक ने कहा, 'यह फिल्म बननी भी चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे चलता रहेगा।'

फ्रेंचाइजी को चाहिए नई और युवा एनर्जी

फ्रेंचाइजी की कास्टिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'जहां तक कास्ट की बात है, फिलहाल तो मेरी यही दुआ है कि अगले कुछ साल तक यही टीम (राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक) बनी रहे। लेकिन आखिरकार हर चीज का एक समय होता है। किसी भी इंडस्ट्री में, चाहे आप किसी भी मुकाम पर हों, एक समय ऐसा आता है जब नई पीढ़ी को आगे आने के लिए जगह देनी पड़ती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह की फिल्मों में एक खास तरह की यंग एनर्जी की जरूरत होती है। अगर हम 55 या 60 साल की उम्र में भी वही किरदार निभाते रहें तो ऑडियंस को उतना मजा नहीं आएगा इसलिए जब तक हम उस किरदार की ताजगी और एनर्जी को बनाए रख सकते हैं, तब तक जरूर इसका हिस्सा बने रहना चाहेंगे। हां, जिस दिन हमारे निर्माता या निर्देशक को लगेगा कि अब किसी नई एनर्जी की जरूरत है, तो वह फैसला भी हमें स्वीकार करना होगा। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।'

फ्रेंचाइजी के अगले भाग को लेकर अभिषेक ने कहा, 'इसका इंतजार मैं भी उतना ही कर रहा हूं जितना ऑडियंस कर रही है। उम्मीद है कि 2028 तक फैंस को 'स्त्री' की एक नई पेशकश देखने को मिल जाएगी। फिलहाल तो यही कहूंगा कि यह यूनिवर्स लगातार बड़ा और मजबूत होता जा रहा है, इसका अगला भाग 'शक्ति शालिनी' भी अभी बन रहा है।' बातचीत के दौरान अभिषेक ने यह भी माना कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक रही है। उनके मुताबिक, इसकी सफलता के बाद इंडस्ट्री में उन्हें देखने का नजरिया बदल गया। अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'स्त्री' मेरे करियर की सबसे बड़ी गेम चेंजर रही। जब यह फिल्म आई और उसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, तब चीजें बदलनी शुरू हुईं। मेरा मानना है कि हमारी इंडस्ट्री में जब तक आपकी फिल्में पैसा नहीं कमातीं, तब तक आपको उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। टैलेंट अपनी जगह है, लेकिन आखिर में बॉक्स ऑफिस और बिजनेस भी बहुत मायने रखता है। हम सब यह बात जानते हैं।'

मनोज बाजपेयी ने सिनेमा के बदलते कल्चर पर उठाए सवाल

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में बढ़ते पेड रिव्यू ट्रेंड, स्टार्स की बड़ी टीम और बदलते वर्क कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों का प्रमोशन किस तरह करते हैं?

फिल्मों के पेड रिव्यू और जबरदस्ती अच्छा माहौल बनाने के ट्रेंड पर मनोज बाजपेयी ने बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'आजकल कोई भी फिल्म जो बुरी भी होती है, उसको अच्छा बताया जाता है। उस एक्टर की पूरी टीम लग जाती है ये साबित करने में कि फिल्म अच्छी है...उनका परफॉर्मेंस बहुत कमाल का है। तो जो चीज बुरी है, उसको अच्छा साबित करने के लिए पूरी टीम लगी रहती है जी। और ये सब मैंने भी पढ़ा है, देखा नहीं। मैं जिस तरह का काम करता हूं, उसमें ये सब तो होता नहीं है।'

मेरे फैसले मैं खुद लेता हूं

आज कई कलाकारों के फैसले उनकी टीम तय करती है। लेकिन मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा अपने फैसले खुद लिए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ तो ऐसा नहीं है। मैं अपने फैसले खुद लेता हूं। स्क्रिप्ट पढ़ता हूं या फिर उसका नरेशन लेता हूं। ज्यादातर मैं स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद करता हूं। आखिर में फैसला मेरा ही होता है।' मनोज बाजपेयी ने कहा कि काम के दौरान वह अपनी निजी टीम को सेट से दूर रखते हैं और इसे डिसिप्लिन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप मेरे सेट पर आकर देखें, तो आपको मेरी टीम का कोई आदमी आसपास दिखाई नहीं देगा। मीडिया इंटरैक्शन के दौरान भी आप देख रहे हैं- प्रोडक्शन के लोग हैं, कैमरा टीम है, लेकिन मेरी टीम का कोई सदस्य यहां मौजूद नहीं है, क्योंकि हमने एक डिसिप्लिन बनाया हुआ है।' आगे उन्होंने कहा, 'जब हम काम कर रहे होते हैं, मेरा स्टाफ उस दायरे से बाहर रहता है। वहां कैमरा है, डायरेक्टर है, मेरे साथ दूसरे कलाकार हैं। वो एक अलग जोन होता है। उसमें मेरा बॉय, असिस्टेंट या मेकअप मैन तभी आएगा जब उसे बुलाया जाएगा। उनका काम कहीं और है, इस स्पेस में नहीं।'

मुझे बड़ी टीम के साथ चलने की जरूरत नहीं पड़ती

जहां कई कलाकार बड़े सपोर्ट सिस्टम के साथ चलते हैं, वहीं मनोज का कहना है कि उन्हें इसकी जरूरत महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा, 'अब हर किसी को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी है। मैं किसी को जज नहीं करता। जो बात आप कर रही हैं, उसके बारे में मैं कभी-कभी पढ़ लेता हूं, लेकिन वो दुनिया मेरे लिए काफी अनजान है। हो सकता है किसी अभिनेता को इतने सपोर्ट सिस्टम की जरूरत हो, मुझे नहीं है। मैं अपने लिए काफी हूं। मेरा कॉस्ट्यूम, मेरा मेकअप, बहुत सारी चीजें मैं खुद संभाल लेता हूं।' कई बार हेयर स्टाइलिस्ट भी साथ नहीं ले जाता

मनोज का कहना है कि वह फिल्मों में दिखावे के बजाय जरूरत के हिसाब से चीजें तय करते हैं।

मैं जरूरत के हिसाब से काम करता हूं

अभिनेता ने कहा कि वह ज्यादातर छोटी और मीडियम बजट की फिल्मों में काम करते रहे हैं, इसलिए हर चीज जरूरत देखकर तय करते हैं। उन्होंने कहा, 'सच्चाई ये है कि मैं ज्यादातर छोटी या मीडियम बजट की फिल्में करता रहा हूं। इसलिए मैं हर चीज फिल्म की जरूरत के हिसाब से तय करता हूं। जो लोग बड़ी फिल्मों में काम करते हैं, उनके तरीके अलग हो सकते हैं। वहां अगर मेकर्स उस पूरे सेटअप की इजाजत देता है, तो फिर बाद में उसे शिकायत करने का भी कोई हक नहीं है।'

मैं सिर्फ अपनी फिल्मों का प्रमोशन करता हूं, बाकी चीजों में नहीं पड़ता

मनोज कहते हैं कि वह अपनी फिल्मों का प्रमोशन जरूर करते हैं, लेकिन चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में यकीन नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'हम अपनी फिल्मों को प्रमोट करते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारी फिल्म को लेकर जागरूक हों। उसके बाद फिर हम अगली फिल्म में चले जाते हैं। और मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि जो होगा, वो होगा। अपना काम शिद्दत से कीजिए, क्योंकि आपके भाग्य का कोई कुछ नहीं ले जा सकता।'

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com